मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 5 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 2 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 117 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 दृष्टिहीनों की शिक्षा में ब्रेल लिपि की भूमिका

अल्लू के हाथ लगी 1000 करोड़ी फिल्म 6

जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सफल अभ्यर्थियों और सरकार की बड़ी जीत

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए उसे सही कहा है। सुप्रीम कोर्ट से अपीलकर्ताओं की याचिका खारिज होना, राज्य सरकार और सफल अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व 3 दिसंबर को झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अपना फैसला सुनाया था, जिसमें 10 छात्रों के परिणाम पर रोक लगाते हुए शेष अभ्यर्थियों की नियुक्ति का आदेश पारित किया गया था।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सफल अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की थी। इसके बाद छात्रों ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इस बीच जेएसएससी ने सफल अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर और सरकार ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी सौंप दिया।

नाव पलटने से 25 लोगों की मौत, 14 लापता

अबूजा: नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में योबे नदी पर स्थानीय मछुआरों और किसानों को ले जा रही एक नाव के पलटने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य अभी भी लापता हैं। आपातकालीन सेवाओं और पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। योबे राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद गोजे ने एक बयान में कहा कि शनिवार शाम को नगुरु स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गरबी कस्बे में नाव पलटने के बाद 13 अन्य यात्रियों को बचा लिया गया।

गोजे ने बताया कि लकड़ी की नाव उत्तर-पश्चिमी राज्य जिगावा के पड़ोसी कस्बे अदियानी से उत्तरी राज्य योबे जा रही थी, तभी रास्ते में पलट गई। उन्होंने पुष्टि की कि आपातकालीन बचाव दल और स्थानीय सामुदायिक स्वयंसेवकों ने पीड़ितों को बचाने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी थी। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता लावान शिसु ने रविवार को फोन पर बताया कि शनिवार शाम को जब नाव अडियानी गांव से रवाना हुई तो उसमें कम से कम 52 लोग सवार थे और वह नाव पूरी तरह से भरी हुई थी।

सोमनाथ मंदिर पर पहले हमले के 1000 साल पूरे, प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि,कहा-

सोमनाथ भारत माता की वीर संतानों के स्वाभिमान और अदम्य साहस की गाथा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के विध्वंस और पुनरुत्थान की उस गाथा को स्मरण किया है, जो भारतीय सभ्यता की अमर चेतना का प्रतीक है। वर्ष 1026 में, आज से ठीक एक हजार वर्ष पहले, इस पवित्र मंदिर पर पहला भीषण आक्रमण हुआ था। इसका उद्देश्य केवल एक मंदिर को तोड़ना नहीं था, बल्कि भारत की आस्था और सांस्कृतिक आत्मा को कुचलना था। फिर भी, सहस्राब्दियों बाद आज भी सोमनाथ मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है और बताता है कि आस्था को न तो मिटाया जा सकता है और न ही झुकाया जा सकता है।

पीएम मोदी ने सोमनाथ के जरिए भारत की इस चेतना की कहानी को अपनी ब्लॉग पोस्ट में विस्तृत तौर पर लिखा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इसकी जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, जय सोमनाथ! वर्ष 2026 में आस्था की हमारी तीर्थस्थली सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बार-बार हुए हमलों के बावजूद हमारा सोमनाथ मंदिर आज भी अडिग खड़ा है! सोमनाथ दरअसल भारत माता की उन करोड़ों वीर संतानों के स्वाभिमान और अदम्य साहस की गाथा है, जिनके लिए अपनी संस्कृति और सभ्यता सदैव सर्वोपरि रही है।

गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान रखता है। शास्त्रों के अनुसार, इसके दर्शन से पापों से मुक्ति और आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। यही आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व इसे बार-बार विदेशी आक्रमणों का लक्ष्य बनाता रहा। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद द्वारा किए गए आक्रमण ने गहरी पीड़ा छोड़ी, पर भारत की चेतना को समाप्त नहीं कर सका।

पीएम मोदी ने अपने ब्लॉग पोस्ट में बताया है कि सोमनाथ की कहानी केवल विनाश की नहीं, बल्कि हजार वर्षों से चले आ रहे संघर्ष, बलिदान और पुनर्निर्माण की कहानी है। यह मंदिर आज भी दुनिया को संदेश देता है। 2026 में, पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी अडिग खड़ा सोमनाथ हमें प्रेरित करता है कि यदि एक खंडित मंदिर फिर से उठ सकता है, तो भारत भी अपने प्राचीन गौरव के साथ पुनः विश्व को मार्ग दिखा सकता है।

पीएम मोदी ने सोमनाथ के जरिए भारत की इस चेतना की कहानी को अपनी ब्लॉग पोस्ट में विस्तृत तौर पर लिखा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इसकी जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, जय सोमनाथ! वर्ष 2026 में आस्था की हमारी तीर्थस्थली सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बार-बार हुए हमलों के बावजूद हमारा सोमनाथ मंदिर आज भी अडिग खड़ा है!

आईआरसीटीसी घोटाला मामले में लालू यादव को राहत नहीं, कोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली: आज 5 जनवरी को दिल्ली हाइकोर्ट में आईआरसीटीसी घोटाला मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को राहत नहीं मिली है। दरअसल, लालू यादव की याचिका पर निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सीबीआई से जवाब भी मांगा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी।

13 अक्टूबर को तय हुआ था आरोप: दरअसल, 13 अक्टूबर को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर आरोप तय कर दिये गए थे। कोर्ट की तरफ से कहा गया था कि लालू यादव की जानकारी में ही टेंडर प्रक्रिया में साजिश रची गई थी। कोर्ट ने लालू यादव से पूछा था, क्या आप आरोप स्वीकार करते हैं? इसके जवाब में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने कहा था, मैं दोषी नहीं हूं। सभी आरोप गलत हैं।

राबड़ी-तेजस्वी ने क्या कहा था? : उस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी पूछा गया था कि आप पर लगे आरोपों को लेकर क्या कहना है? इसके जवाब में राबड़ी देवी ने कहा था, मैं किसी भी तरह की साजिश या फिर धोखाधड़ी में शामिल नहीं हूं। साथ ही तेजस्वी यादव से सवाल किया गया था, यही आरोप आप पर भी लगे हैं। क्या आप आरोप स्वीकार करते हैं? इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने भी आरोपों को गलत बताया था।

रूस से तेल खरीदा तो बढ़ा देंगे शुल्क ट्रंप ने भारत को फिर दी चेतावनी

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल का आयात करने के मामले में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। अपने हवाई जहाज एयर फोर्स वन पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, पीएम मोदी रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर उनकी नाराजगी को जानते हैं। पीएम मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और वह जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है और अमरीका ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा रखा है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमरीकी सैन्य अभियान के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमरीका ने हिरासत में लिया था। इस घटनाक्रम ने वैश्विक तेल भू-राजनीति पर दुनिया का ध्यान खींचा है। ओपेक के आंकड़ों के अनुसार वेनेजुएला के पास 300 अरब बैरल से अधिक का दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है, जो वैश्विक भंडार का लगभग 17 से 18 प्रतिशत है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के आयात शुल्क को दोगुना कर-के 50 प्रतिशत तक करने के बाद से पीएम मोदी और ट्रंप के बीच तीन बार बातचीत हुई है। इस शुल्क वृद्धि से कपड़ा, रसायन और झींगा मछली जैसी चीजों के निर्यात पर असर पड़ा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता जुलाई के अंत में तब विफल हो गयी थी, जब भारत ने अपने कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने का विरोध किया था और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ट्रंप की मध्यस्थता की भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बातचीत हालांकि तब से जारी है।

दिसंबर 2025 में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने नयी दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ दो दिनों में बैठकें की थीं। इस दौरान भारत ने रूसी तेल खरीद से जुड़े दंडात्मक शुल्कों से राहत देने पर जोर दिया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय ने इन चचाओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप भारत पर अमरीकी बाजार में चावल की डंपिंग करने का आरोप लगाते हुए भारतीय चावल के आयात पर भी नया शुल्क लगाने का संकेत दे चुके हैं।

कुएं से मिला मां-बेटी का शव, मायके वालों ने बेटी के ससुरालवालों पर लगाया हत्या का आरोप

देवघर: जिले में एक 25 वर्षीय महिला और उसकी नवजात बेटी की कथित तौर पर कुएं से लाश बरामद की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना पद्मपुर गांव की है। मृतकों की पहचान गुड़िया देवी और उनकी बेटी पीहू के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा अधिकारियों को सूचना देने के बाद शनिवार को दोनों के शव बरामद किए गए। सदर पुलिस थाना के पुलिस अधिकारी अशोक सिंह ने कहा, हमने पीड़ितों के शव बरामद कर लिए हैं और उन्हें देवघर के सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस मृतक के मायके वालों के आरोपों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने इस मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कियाः जानकारी के अनुसार, मृत बच्ची का जन्मदिन दो जनवरी को था। उसी दिन पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। वहीं, मृतका के भाई उपेंद्र यादव ने अपने बहनोई विष्णु यादव और उसके पिता पर हत्या और शव को कुएं में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है।

दिल्ली दंगा 2020 : जेल में ही रहेंगे उमर खालिद-शरजील इमाम

सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली जमानत, पांच आरोपियों को राहत

नई दिल्ली : दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में पिछले करीब 5 वर्षों से जेल में बंद छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। हालांकि, इसी मामले में अन्य 5 आरोपियों को जमानत दे दी गई है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने 10 दिसंबर को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे अब सुनाया गया है।

दिल्ली पुलिस ने दोनों आरोपियों की रिहाई का विरोध करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज करते हुए अभियोजन पक्ष की इस दलील को गंभीरता से लिया कि

मामले की प्रकृति को देखते हुए आरोपियों की निरंतर हिरासत आवश्यक है।

अदालत ने कहा कि यह मामला कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों से जुड़ा है। हिंसा, जनहानि और संपत्ति के नुकसान के अलावा, ऐसे कृत्य भी इस दायरे में आते हैं जिनसे आवश्यक सेवाएं बाधित होती हैं और देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उमर खालिद 13 सितंबर 2020 से न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि शरजील इमाम 28 जनवरी 2020 से जेल में बंद हैं। आरोपियों की ओर से दलील दी गई थी कि जांच एजेंसी जानबूझकर एक-एक कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर रही है, जिससे मुकदमे की प्रक्रिया लंबी खींच रही है और सुनवाई में देरी हो रही है।

गौरतलब है कि फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के विरोध को लेकर लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बाद भड़की हिंसा में कई लोगों की जान गई थी, जबकि बड़ी संख्या में घरों, दुकानों और पूजा स्थलों को नुकसान पहुंचा था।

इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हिंसा की जांच शुरू की और इसे नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी कथित साजिश करार दिया। इस मामले में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और बुद्धिजीवियों को यूएपीए जैसे कड़े कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया था। इनमें जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम और छात्र आंदोलन से जुड़े उमर खालिद भी शामिल हैं। पुलिस का आरोप है कि इनके भाषणों और गतिविधियों ने हिंसा की योजना बनाने और उसे भड़काने में भूमिका निभाई, हालांकि दोनों आरोपियों ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों में शरजील इमाम से जुड़े कुछ वीडियो भी शामिल हैं। इनमें से एक वीडियो में वह कथित तौर पर चिकन नेक कॉरिडोर को अवरुद्ध करने और असम को शेष भारत से अलग करने की बात करते नजर आते हैं।

समाचार सार

बाल विवाह पर रोक को लेकर विधिक जागरुकता अभियान

मुरी: सिल्ली राधिका मैदान में झालसा के निर्देश एवं अध्यक्ष-सह-न्यायायुक्त, अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में बाल विवाह के खिलाफ आशा अभियान के तहत बाल विवाह की रोकथाम के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी शंकर महतो, बंशीधर घटवार, कौशल्या देवी, ब्रजेश कुमार महतो, राज कुमार, पंकज कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, उपस्थित ग्रामीण एवं अन्य लोग उपस्थित थे। पीएलवी शंकर महतो ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़कों का विवाह बाल विवाह कहलाता है। इससे शिक्षा बाधित होती है, जिससे भविष्य अंधकारमय होता है। घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार का खतरा बढ़ जाता है। कम उम्र में गर्भावस्था और प्रसव से माँ और बच्चे दोनों को गंभीर स्वास्थ्य जोखिम होता है। आर्थिक रूप से पति पर निर्भरता। पीएलवी बंशीधर घटवार ने समाधान और रोकथाम पर फोकस करते हुए कहा कि जागरूकता बढ़ाना, लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना, कानून का कड़ाई से पालन और बाल संरक्षण सेवाओं (जैसे हेल्पलाइन 1098) का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। अंत में सभी पीएलव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा दिये जानेवाले निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में ग्रामीणों को बतलाया तथा डालसा द्वारा आयोजित किये जानेवाले लोक अदालत, मध्यस्थता, प्री-लिटिगेशन के बारे में लोगों को जानकारी दी। डालसा के कार्यरत पीएलवी ने डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम के तहत भी लोग लोगों को जागरूक किये। इसके अलावा थाना, ब्लॉक, पंचायत में नियुक्त पीएलवी के क्रियाकलापों के बारे में ग्रामीणों को बतलाया तथा किसी भी समय ग्रामीण इनसे सहायता लेकर अपनी बातों को डालसा कार्यलय में रख सकते है। पीएलवी ने टॉल फ्री नम्बर - 15100 की जानकारी भी दिये। इसके साथ ही घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशामुक्ति, डायन बिसाही प्रथा आदि पर भी लोगों को विधिक जानकारी दी गयी। अंत में सभी पीएलवी के द्वारा ग्रामीणों व अन्य लोगों के बीच पम्पलेट व लिफलेट का वितरण भी किया गया।

सदर अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात की मौत, हंगामा

-परिजनों ने इलाज में लगाया लापरवाही करने का आरोप

चतराः सदर अस्पताल में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही के कारण प्रसव के दौरान एक नवजात की मौत हो गई। नवजात की मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। परिजनों ने प्रसव वार्ड के स्वास्थ्य कर्मियो पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि शहर के बिंड मुहल्ला अंसार नगर निवासी मो उमर अंसारी ने अपनी पत्नी गुलाफशा परवीन को प्रसव पीड़ा होने पर शनिवार की शाम छह बजे सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां स्वास्थ्य कर्मियों ने उसे आधे से एक घंटे में डिलीवरी होने की बात कही। महिला स्वास्थ्य कर्मी पुनम कुमारी व आरती कुमारी द्वारा नॉर्मल डिलेवरी होने की बात कह कर महिला को रखे रहा। रातभर महिला दर्द से कहराती रही। महिला के साथ साथ परिजन परेशान रहे। परिजनों ने बताया कि उपरोक्त दोनों स्वास्थ्य कमीयो ने यह कहते हुए उन्हें चुप करा दिया कि नॉर्मल डिलीवरी में दर्द होता ही है। इस दौरान मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों से मरीज को रेफर करने गुहार भी लगाई। लेकिन नॉर्मल डिलीवरी का भरोसा देकर कर्मियों ने रेफर नहीं किया। उपरोक्त दोनो जीएनएम का शिफ्ट बदलने के बाद सुबह करीब नौ बजे नवजात जन्म लिया, जो मृत पाया गया। परिजनों ने बताया कि मरीज को समय पर रेफर कर दिया जाता तो नवजात की जान नहीं जाती। नवजात की मौत का आरोप रात में तैनात चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मियों पर लगाई गई। परिजनो ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, उपायुक्त कीर्तिश्री जी, सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद व अस्पताल उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार से इसकी शिकायत की और लापरवाह कर्मियों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है। इधर दूसरी ओर इस मामले में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने कहा कि कर्मियों ने दो स्वास्थ्य कर्मियों के विरुद्ध शिकायत किया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड ग्रामीण पुलिस के जवान की इलाज के दौरान मौत

चतराः हंटरगंज प्रखंड के लेंजवा पंचायत अंतर्गत कोसमाही गांव निवासी सह झारखंड ग्रामीण पुलिस जवान कामेश्वर यादव (55 वर्ष) की मौत इलाज के दौरान शनिवार को लोकनायक हॉस्पिटल न्यू दिल्ली में हो गयी। वे पिछले कई माह से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनका इलाज दिल्ली से चल रहा था। शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी।उनका पार्थिव शरीर गांव लाया गया। जहां शव देख परिजन दहाड़ मारकर चीखने चिल्लाने लगे। जवान की असमायिक मौत से गांव में मातम छा गया। स्थानीय नदी श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। झारखंड ग्रामीण पुलिस के जवान व लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रंद्धाजलि अर्पित की।इसके बाद उनके बड़े पुत्र लेंजवा पंचायत मुखिया योगेन्द्र यादव ने मुखाग्नि दी।बताया जाता कि ग्रामीण पुलिस जवान वर्तमान में हंटरगंज थाना में पदस्थापित थे। वे अपने पीछे पूरा भरापूरा परिवार को छोड़कर चले गये। उनके आकस्मिक निधन से गांव में शौक की लहर है। उनकी अंतिम यात्रा में ग्रामीण पुलिस संघ जिला अध्यक्ष उमेश पासवान, सचिव विंदु पासवान,जिप सदस्य प्रतिनिधि बेचन पासवान, मुखिया संघ अध्यक्ष अशोक यादव, रामबाबू, दिलीप दास, सुनील रजक, पिंटू सिंह, समरेश सिंह, उर्फ पिंटू सिंह पंचायत समिति विनोद यादव समेत सैकड़ों ग्रामीण।

खरमास के बाद झारखंड में कैबिनेट विस्तार, स्वास्थ्य और कृषि मंत्रालय में फेरबदल की संभावना

संवाददाता

रांचीः हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल के एकबार फिर से विस्तार की संभावना बन गई है और यह खरमास के बाद हो सकता है। हेल्थ और एग्रीकल्चर विभाग के मंत्री में फेरबदल की संभावना है।

हेमंत सोरेन पार्ट-2 की सरकार अब फूल कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढ़ रही है। तमाम कथित आर्थिक क्राइसिस के बाद भी राज्य सरकार अपनी विकास योजनाओं को फूल स्पीड में गति देने की कोशिश में है। इसी बीच सरकार अपनी स्थिति जनता के बीच और मजबूत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल में थोड़े बहुत चेंज करने जा रही है। इसमें वैसे

विभाग हैं जिसके परफॉर्मेंस बेहतर नहीं है और जनता के बीच निराशा है,ऐसे विभाग के मंत्री को बदलने की तैयारी है।

इसमें सबसे अधिक स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का नाम आ रहा है। उनके बयानबाजी से कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सबकुछ ठीक नहीं है। साथ ही सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन भी उनके कार्यों से खुश नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में लगातार शिकायतें मिल रही है। प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदतर है। मरीजों की समस्याओं पर कोई निदान नहीं हो रहा है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की जगह पार्टी के अंदर पाकुड़ विधानसभा सीट से निर्वाचित अल्पसंख्यक महिला विधायक पूर्व मंत्री आलमगीर अलाम की पत्नी निशित आलम का नाम चर्चा में है।

उनको मंत्री बनकर सरकार अल्पसंख्यकों के बीच मजबूत स्थिति बनाते हुए महिलाओं में भी पकड़ बेहतर हो जाएगी। दूसरा नाम कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की चर्चा है। उनके जगह पर कांग्रेस में तीन चार नाम चर्चा में है। इसमें रामचंद्र सिंह,सोनाराम सिंकु,नमन विक्सल कोगाड़ी और राजेश कच्छप का नाम चर्चा में है। इसी में से किसी एक को मंत्री का पद मिल सकता है।

मंत्रिमंडल विस्तार में सिर्फ कांग्रेस ही नहीं झामुमो और राजद में भी फेरबदल होने की संभावना है। पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला सीट से निर्वाचित उनके पुत्र सोमेश सोरेन को मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं राजद कोटे में संजय प्रसाद यादव की जगह राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान को मंत्री बनाया जा सकता है। यानी 2026 के नूतन वर्ष में पहले महीने में हेमंत सोरेन सरकार का कैबिनेट नए रूप में दिखेगी।

गोवर्धन महतो की 36वीं जयंती दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

पेनल्टी शूटआउट में लिटिल एंजल क्लब ने एमके ब्रदर्स तिलमिसेरेंग को हराकर खिताब अपने नाम किया

संवाददाता

सिल्ली : गोवर्धन महतो की 36वीं जयंती के अवसर पर राहे के पोगड़ा-रांगामाटी में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। जिसमें 'लिटिल एंजल क्लब' ने 'एमके ब्रदर्स तिलमिसेरेंग' को रोमांचक मुकाबले के बाद प्लेंटी शूटआउट में हराकर खिताब जीता। यह आयोजन अभिराम उच्च विद्यालय के संस्थापक की याद में हुआ. विजेता टीम को मुख्य अतिथि तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा 1,11,000 नगद पुरस्कार और टॉफी एंव उपविजेता टीम को स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने 81,000 नगद पुरस्कार और टॉफी से सम्मानित किया। फुटबॉल टूर्नामेंट और मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। आयोजन कमिटी ने चौथे स्थान पर रहे निशांत स्पोर्टिंग क्लब और इचाहातू की टीमों को नगद 32,000-32,000 नगद पुरस्कार तथा मैन ऑफ द मैचः रवि कुमार एवं मेन ऑफ द सीरीज चंदरु को राहे प्रमुख सह आयोजन कमिटी के अध्यक्ष लीलमनी देवी उपाध्यक्ष सचिव रामलाल साहू मुखिया नवकृष्ण लोहरा बी नवाडीह मुखिया श्याम सिंह मुंडा ने नगद राशि व टॉफी देकर सम्मानित किया. आमंत्रित अतिथि विधायक विकास मुंड़ा ने आयोजन कर्ताओ धन्यवाद देते हुए कहा कि फुटबॉल और मुर्गा लड़ाई हमारे क्षेत्र के लिए मनोरंजन का बेहतर साधन है. हार जीत कोई मायने नही रखता खेल में हार जीत लगी रहती है और एक दिन हारने वाले ही जीतते है. विधायक अमित महतो ने कहा की किंही कारणों से बर्षो से चलते आ रहे फुटबॉल और मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता का आयोजन बंद था, आज 4 पंचायत मिलकर इस आयोजन को पुनःशांति के साथ संपन्न कराने का काम किया है इसके लिए मैं तमाम कमेटी के सदस्यों को साधु बाद देता हूं श्री महतो ने कहा खेल और शिक्षा में राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि ये क्षेत्र निष्पक्षता,स्वास्थ्य और ज्ञान का प्रसार है। स्वर्गीय गोवर्धन महतो का शिक्षा के प्रति गहरा रुझान, उत्साह और समर्पण था जो व्यक्ति को सीखने, सिखाने और शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है, आयोजन का संचालन विधायक प्रतिनिधि रोहिताश चौधरी ने किया। मौके हजारों हजार की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे।

चरका में 'प्राइवेट स्कूल प्रीमियर लीग' का रोमांच

गुरुकुल पब्लिक स्कूल राजपुर ने जीता ट्रॉफी

संवाददाता

चतराः पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी जीवन का अनिवार्य हिस्सा है।इसी संदेश को सार्थक करने के लिए चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड के चरका गांव में 'निजी विद्यालय प्रीमियर लीग' का शानदार आयोजन किया गया। इस लीग में क्षेत्र के छह प्रमुख विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया, जहाँ नन्हे खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद की गूँज सुनाई दी। रोमांचक मुकाबले के बाद राजपुर की टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया। चरका के मैदान में आयोजित इस प्रीमियर लीग में एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल चरका, एन हेरिटेज भरही, एलीट पब्लिक स्कूल घोरीघाट, ए पी मेमोरियल एकेडमी बरूरा, जे एस मेमोरियल एकेडमी गजवा और गुरुकुल पब्लिक स्कूल राजपुर की टीमों ने अपनी दावेदारी पेश की। पूरे टूर्नामेंट में बच्चों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।फाइनल के कड़े मुकाबले में गुरुकुल पब्लिक स्कूल राजपुर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन

प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, एन हेरिटेज पब्लिक स्कूल भरही की टीम उपविजेता रही। लीग के मुख्य आयोजक और एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल के निदेशक मुज्जमिल हुसैन ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति रुचि पैदा करना और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को मंच देना है। उन्होंने घोषणा की कि यह लीग अब हर वर्ष आयोजित की जाएगी ताकि बच्चे शारीरिक रूप से मजबूत और मानसिक रूप से सक्रिय बन सकें।

गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 359वां प्रकाश पर्व धूमधाम से संपन्न

भक्ति, सेवा और भाईचारे का गूंजा संदेश,अटूट लंगर के साथ हुआ समापन

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के श्री गुरु सिंह सभा केदली कला गुरुद्वारा में दसवीं गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 359वां प्रकाश उत्सव रविवार को धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य दीवान सजाकर शब्द कीर्तन और अरदास किया गया। मुख्य अतिथि सांसद कालीचरण सिंह, विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष ममता देवी उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी, विशिष्ट अतिथि में थाना प्रभारी प्रभात कुमार, मुखिया अशोक यादव, उपाध्यक्ष वकील खान को गुरुद्वारा कमेटी के द्वारा सरोपा देकर सम्मानित

किया गया। वही पटना साहिब से आए धर्म प्रचारक हरविंदर सिंह के द्वारा गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके सिख धर्म के बलिदान की जानकारी दी उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया आपस में भाईचारे के साथ रहने की बात कही थी।वही भाई तख्त श्री हरिमंदिर जी भाई हरभजन सिंह, ज्ञानी दयाल सिंह, विक्की सिंह एवं ताजेंद्र कौर तथा स्थानीय बच्चों ने अपने गुरुवाणी कीर्तन से साथ संगत को निहाल किया।प्रकाश उत्सव के दौरान किए जा रहे शब्द कीर्तन से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल, वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह, की जय घोष से पूरा गुरुद्वारा गूंजता रहा। प्रकाश उत्सव में पंजाब, दिल्ली, पटना, सासाराम, गया, रांची, हजारीबाग, कोलकाता, धनबाद, जमशेदपुर, कानपुर, के अलावा कई जगहों से काफी संख्या में सतसंगत शामिल हुए । प्रकाश उत्सव का समापन अटूट लंगर से किया गया जिसमें सभी समुदाय के सैकड़ों लोग शामिल हुए।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान सरदार बलजीत सिंह सचिव नंदकिशोर सिंह उप प्रधान समरजीत सिंह, उपसचिव तखत सिंह, कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह, सतपाल सिंह, मोहित सिंह, के अलावा गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी, बाबा दीप सिंह सेवा समिति तथा माता गुजरी की सेवा समिति के सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

प्रतापपुर के एघारा में भक्ति का महासंगम

'रुद्र चण्डी महायज्ञ' को लेकर बैठक,18 फरवरी से गूंजेगा जयकारा

रोशनी शास्त्री सुनाएंगी रामकथा,बाबा धाम के यज्ञाचार्य ब्रजेश मिश्रा कराएंगे अनुष्ठान

चतराः जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत एघारा पंचायत अब भक्ति के रंग में सराबोर होने वाली है। आगामी फरवरी माह में यहाँ श्री श्री 108 श्री रुद्र चण्डी महायज्ञ सह शिव एवं देवी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज उत्क्रमित मध्य विद्यालय एघारा के प्रांगण में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में न केवल महायज्ञ की रूपरेखा तय की गई, बल्कि आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए जन-सहयोग की अपील भी की गई। आइए जानते हैं क्या है इस सात दिवसीय महायज्ञ का पूरा कार्यक्रम।प्रतापपुर के एघारा में आज श्रद्धा और उत्साह का माहौल दिखा। विद्यासागर पाठक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यज्ञ समिति का गठन किया गया। एघारा मुखिया पति सुरेंद्र भारती को यज्ञ अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई, वहीं सूरजमल प्रसाद सचिव और सुधीर कुमार, संजय प्रसाद व रविन्द्र प्रसाद कोषाध्यक्ष के रूप में इस महायज्ञ की कमान संभालेंगे। बैठक में रंजीत कुमार

पासवान, भोला प्रसाद और अंकेश पाठक सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं से तन-मन-धन से सहयोग की अपील की।

महायज्ञ का औपचारिक आगाज 16 जनवरी को झंडा गड़ने के साथ होगा। मुख्य अनुष्ठान की रूपरेखा इस प्रकार है।

18 फरवरी (बुधवार): सुबह 9 बजे से भव्य कलश यात्रा, जलयात्रा और मंडप प्रवेश।

19 फरवरीः अग्नि स्थापना एवं पंचांग पूजन।

20 फरवरी:भव्य नगर भ्रमण और मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा। 26 फरवरी (गुरुवार):महायज्ञ की पूणार्हुति, हवन और विशाल महाभंडारा।

इस सात दिवसीय अनुष्ठान में श्रद्धालुओं के लिए ज्ञान और मनोरंजन का संगम होगा। वृंदावन से पधारीं पूज्या देवी रोशनी शास्त्री द्वारा 19 से 25 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रामकथा की गंगा बहाई जाएगी। इसके तुरंत बाद, रात्रि 10 बजे से रामलीला का मंचन होगा। बच्चों और युवाओं के लिए मीना बाजार, नौका झूला, ब्रेक डांस और मौत का कुआं जैसे रोमांचक झूले आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बाबा धाम (तारापुर) के सुप्रसिद्ध यज्ञाचार्य पंडित ब्रजेश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक रीति-रिवाज से यज्ञ संपन्न होगा। समिति ने विशेष व्यवस्था की है कि यज्ञ के दौरान प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए भंडारा चलेगा। समस्त ग्रामवासी और व्यवस्थापक मंडल ने सभी भक्तों से अपील की है कि वे सपरिवार इस पुनीत कार्य के सहभागी बनें।

जिला प्रशासन ने लिया फैसला

भारी ठंड और शीतलहरी के कारण 5- 6 जनवरी तक बंद रहेंगे रांची के सभी स्कूल

संवाददाता

रांचीः झारखंड में लगातार बढ़ रही कड़ाके की ठंड और शीतलहरी को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय लिया है। रांची जिला अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियों को 6 जनवरी 2026 तक स्थगित कर दिया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी विशेष बुलेटिन में झारखंड में अगले आदेश तक भारी ठंड एवं शीतलहरी की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने रांची जिला को येलो जोन की श्रेणी में चिह्नित करते हुए अत्यधिक ठंड पड़ने की संभावना जताई है। लगातार गिरते तापमान और शीतलहरी के प्रकोप को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार दिनांक 5 जनवरी से 6 जनवरी 2026 तक सभी विद्यालयों में केजी से 12वीं तक कक्षाओं में पठन-पाठन का कार्य पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि, यदि इस अवधि में किसी विद्यालय में पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित हैं, तो विद्यालय प्रबंधन अपने विवेकानुसार परीक्षा का संचालन कर सकते हैं। साथ ही 10वीं और 12वीं कक्षाओं के संचालन को लेकर भी विद्यालयों को आवश्यक निर्णय लेने की छूट दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य के सरकारी विद्यालय पहले से ही शीतकालीन अवकाश के कारण 5 जनवरी तक बंद हैं। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि 6 जनवरी को सरकारी विद्यालय शिक्षकों के लिए खुले रहेंगे। इस दौरान शिक्षक विद्यालय में उपस्थित होकर ईवीवी पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे और विद्यालय से संबंधित गैर-शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन को आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि ठंड के इस मौसम में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की पूरी तरह से रक्षा की जा सके।

रिम्स परिसर में अतिक्रमण हटाने का अभियान तेज, विवादित कैलाश कोठी ध्वस्त

रांचीः रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) परिसर में अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रशासन की टीम भारी सुरक्षा बल के साथ विवादित कैलाश कोठी को ध्वस्त करने के लिए मौके पर पहुंची। जैसे ही प्रशासनिक फोर्स इलाके में पहुंची, वहां तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

बताया जा रहा है कि कार्रवाई की भनक लगते ही कैलाश कोठी से जुड़े परिजन और स्थानीय लोग उग्र हो गए और विरोध शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई।

मजिस्ट्रेट और अंचल अधिकारी रहे मौजूदः अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मजिस्ट्रेट के साथ-साथ अंचल अधिकारी (सीओ) स्वयं स्थल पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी की। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोर्ट के आदेश के बाद हुई कार्रवाईः प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस मामले में 23 दिसंबर को ही न्यायालय का फैसला आ चुका था, जिसके तहत उक्त भवन को अतिक्रमण की श्रेणी में माना गया। कोर्ट के आदेश के बाद संबंधित पक्ष को पहले ही नोटिस दिया जा चुका था, लेकिन तय समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के कारण प्रशासन को सख्त कदम उठाना पड़ा।

इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम : कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई, वहीं बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही को कुछ समय के लिए नियंत्रित किया गया।

प्रशासन का सख्त रुखः प्रशासन ने साफ कहा है कि रिम्स जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण संस्थान के आसपास किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री से मिले कार्मिक डीआईजी दी नववर्ष की शुभकामनाएं

ज्योति पाठक

रांचीः भारतीय पुलिस सेवा 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी तथा वर्तमान समय में कार्मिक डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले और उन्हें पुष्प गुच्छ देकर नववर्ष की शुभकामनाएं और बधाई दी। गौरतलब हो कि श्री झा के रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के रूप में अपने पदस्थापना काल में उनके द्वारा किए गए बेहतर कार्य और उपलब्धि के लिए आज भी राजधानी वासी उन्हें याद करते हैं।

सीएम से मिले महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव

दी नववर्ष की शुभकामनाएं और बधाई

विनय मिश्रा

रांचीः नववर्ष 2026 के आगमन पर मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने मुलाकात की और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट करने के साथ साथ नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सामाजिक सुरक्षा विभाग अधीन मईंया सम्मान योजना की राशि की कामयाबी और उपलब्धि पर विभाग के कार्यों को सराहा। गौरतलब हो कि इस विभाग ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता और उनके मान सम्मान और आवश्यकता के अनुरूप इस राशि को उपलब्ध कराकर गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है जिसके फलस्वरूप विभाग के सचिव मनोज कुमार के कार्यों को भी सराहा।

सीएम हेमंत से मिले रामगढ़ के उपायुक्त दी नववर्ष की शुभकामनाएं और बधाई

नववर्ष 2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रामगढ़ के उपायुक्त फैज़ अक अहमद मुमताज मिले और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर नववर्ष की शुभकामना और बधाई दी। रामगढ़ के उपायुक्त के रूप में फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा किए गए जिला प्रशासन के बेहतर कार्यों से जिले में हो रहे विकास को भी सराहा ।

प्रेस क्लब में सम्मान समारोह का आयोजन, थैलेसीमिया पीड़ित भी रहे उपस्थित

मेट्रो रेज

रांचीः भारतीय सेना के सेवानिवृत्त कैप्टन एवं उत्कृष्ट मानवीय सेवा की भूमिका में समर्पित रक्तवीर कैप्टन डॉ सुरेश कुमार सैनी(252 बार के विश्व रिकॉर्डधारी रक्तदाता),करनाल,हरियाणा एवं जिला उपभोक्ता आयोग जज,जमशेदपुर की अर्पणा मिश्रा,26 बार की रक्तदाता सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं उत्कृष्ट मानवीय सेवा की भूमिका में समर्पित रक्तवीर आईएएस उत्कर्ष कुमार के सम्मान में रांची प्रेस क्लब में लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची द्वारा दोपहर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें इन व्यक्तित्व का सम्मान किया गया।

सम्मान कार्यक्रम की अध्यक्षता लहू बोलेगा के संस्थापक रक्तवीर नदीम खान ने की जबकि स्वागत रक्तवीर पॉवेल कुमार,संचालन इंजीनियर रक्तवीर शाहनवाज अब्बास,धन्यवाद ज्ञापन रक्तवीर सपन कुमार महतो ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारु थे वहीं विशिष्ट अतिथि रांची प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ संपादक शम्भूनाथ चौधरी, झारखंड विधानसभा के पीआरओ सरफराज अहमद, झारखंड सरकार के एक्सक्यूटिव इंजीनियर नसीम अली,दीपशिखा की क्लीनिकल सायकोलॉजिस्ट डॉ अनुराधा वत्स उपस्थित थी।

हॉल में थैलेसीमिया पीड़ितों एवं परिजनों ने सभी अतिथियों को बुके/पुष्प एवं झारखंडी अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

कैप्टन डॉ सुरेश कुमार सैनी साहब को लहू बोलेगा के नदीम खान,उपस्थित अतिथियों एवं टीम के लोगों ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया, वहीं जमशेदपुर की जिला उपभोक्ता जज अर्पण मिश्रा को थैलेसीमिया के पीड़ित परिजनों ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में लहू बोलेगा द्वारा रक्तदान-महादान पर समृद्ध जनजागरुकता पर्चा का लोकार्पण कैप्टन साहब, जज साहिबा और अतिथियों द्वारा हुआ।

कार्यक्रम में सभी के लिए खून बनाने वाली सामग्री अजवा खजूर देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में थैलेसीमिया पीड़ित परिजनों में संजय टोप्पो,देवकी देवी,सीमा देवी,सोना सिंह,पुनिया उरांव, स्टैबल पीड़ितों में सोनम कुमारी,साक्षी सिंह,अनीस टोप्पो,प्रगति प्रकाश,बरखा लिली बाड़ा सहित लहू बोलेगा के बुलंद अख़्तर,साजिद उमर,मो तौहीद,मो बब्बर,विवेक कुमार, दीपक व अन्य शामिल थे।

आठ दिवसीय एक्वा वर्ल्ड रिलायंस कार्निवल का भव्य समापन

कार्निवल ने रांची वासियों को मनोरंजन के साथ- साथ दिया सामाजिक संदेश : डॉ प्रदीप वर्मा

सर्वश्रेष्ठ कैटवॉक कर श्वेता तिवारी ने जीता मिसेज कार्निवाल का खिताब

मेट्रो रेज

रांचीः एक्वा वर्ल्ड में आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 का भव्य समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉक्टर प्रदीप वर्मा थे। डॉक्टर प्रदीप वर्मा ने अपने उद्बोधन में कार्निवल की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। डॉक्टर वर्मा ने कहा कि नए वर्ष के अवसर पर एक्वा वर्ल्ड प्रबंधन ने रांची वासियों का बहुत अच्छे तरीके से मनोरंजन कराया उन्होंने कहा कार्निवल के जरिए ट्रांसजेंडर फैशन शो, दिव्यांग फैशन शो, ट्रैफिक क्विज, हेल्थ अवेयरनेस कैंपेन, आदि के जरिए सामाजिक संदेश भी दिया गया। डॉ वर्मा ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी एक्वा वर्ल्ड प्रबंधन इस तरह के आयोजनों से रांचीवासियों का मनोरंजन करता रहेगा।

अंतिम दिन भी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की धूम रही। महिलाओं ने मिसेज कार्निवल कंपटीशन में रैंप पर कैटवॉक करके अपनी हुनर का परिचय दिया। श्वेता तिवारी को मिसेज कार्निवाल के खिताब से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त डांस कंपटीशन में भी अलग-अलग डांस ग्रुपों ने लोगों को मंत्र मुक्त करके रखा। अकल बड़ी या भैंस सेल्फी थीम पर बड़ी संख्या में लोगों ने भैंस के साथ सेल्फी क्लिक किया।

आज के विजेता

मिसेज रांची : श्वेता तिवारी, सबा खान,स्वाति

जूरी : राखी मिश्रा

डंगल टाइम विजेता : एंजेल,अंशुमान।

ड्रामा किंग्स एंड क्वीन शोडाउन : प्रियंशी शर्मा, ध्रुव कुमार

बॉलीवुड ज्यूकबॉक्स विजेताः निशा, प्रियंशी, सुरभि।

ड्रेपिंग ड्यूड्स विजेता : साहिल, जितेंद्र, आर्यन।

मसाला मेनिया विजेता : गौरव, एस्थर थापा

चिप्स ईटिंग प्रतियोगिता के विजेता : इशिका रानी, शिवम सिंह, अलिशा।

आज समापन समारोह में मुख्य रूप से प्रतुल शाह देव ,डॉक्टर विद्या झा, सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार, विपुल नायक, देव ज्योति नहा, आनंद नायक, प्रदुम कुमार, उदय, अंजलि, कैला यादव व उपस्थित थे।

रांची की जनता, रांची पुलिस और जिला प्रशासन का आभार :प्रतुल

एक्वा वर्ल्ड समूह के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने 8 दिवसीय रिलायंस कार्निवल के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और रांची पुलिस का आभार प्रकट किया। प्रतुल ने कहा कि पूरे 8 दिन के कार्निवल में एक छोटी सी भी अप्रिय घटना नहीं हुई।उन्होंने आयोजन समिति, वॉलिंटियर्स और रांचीवासियों और कार्यक्रम के स्पॉन्सर के प्रति भी अपना आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि एक्वा वर्ल्ड भविष्य में भी लोगों को स्वस्थ मनोरंजन दिलाने के लिए कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहेगा।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का संकट बहुत गहरा है !

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की स्थिति आज भयावह से भी आगे बढ़ चुकी है। हत्या, आगजनी, भीड़ हिंसा और झूठे ह्यधर्म अपमानह्न के आरोप अब सिर्फ विशेष घटनाओं तक सीमित नहीं रहे, ये एक स्थायी और व्यवस्थित समस्या बन चुकी है। पिछले 20 दिनों में ही चौथी बार किसी हिंदू युवक की हत्या ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वहाँ कानून की पकड़ टूट चुकी है और इस?लामिक कट्टरता को खुलेआम जगह मिल रही है। मयमनसिंह, ढाका और पिरोजपुर तक फैली हिंसा अलग-अलग घटनाओं का संग्रह भर नहीं है, यह सामूहिक सामाजिक विफलता की अभूतपूर्व तस्वीर है जो आज बांग?लादेश में हमें दिखाई देती है। ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में शनिवार (3 जनवरी, 2026) को 50 वर्षीय हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसे पहले धारदार हथियारों के हमला कर पूरी तरह से लहूलुहान कर दिया गया था और उसके बाद उसे आग के हवाले कर दिया गया था। खोकन चंद्र दास अपनी दवाई की दुकान बंद कर रात में ऑटो से घर लौट रहे थे, इस बीच रास्ते में कुछ हमलावरों ने उन्हें रोका और बुरी तरह से मारा। इसके बाद उन पर पेट्रोल डालकर उन्हें जिंदा जला दिया। हालांकि, इस घटना के बाद तीन दिनों तक खोकन दास जिंदगी के लिए मौत और असहनीय तकलीफ से जूझते रहे, लेकिन अंत में हार गए। इससे पहले मयमनसिंह जिले में 29 दिसंबर 2025 की शाम बजेंद्र बिस्वास की गोली मारकर हत्या की गई थी। कहना होगा कि बांग्लादेश में बार-बार हो रही हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ने फिर सवाल खड़े कर दिए कि सुरक्षा व्यवस्था किनके लिए है और किनके लिए नहीं। पुलिस इसे केवल ह्यदुर्घटनाह्न मानने की कोशिश कर रही है, किंतु जिस सामाजिक और राजनीतिक माहौल में यह हुआ, वह इसे सामान्य घटना नहीं रहने देता। 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसका शव सार्वजनिक रूप से जलाया, जो बर्बर तरीके से की गई हिंसक घटना थी। बांग्लादेश को लेकर बीते कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या यहां अचानक उत्पन्न नहीं हुई है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। साल 2022 में ऐसे 47 हमले दर्ज किए गए, साल 2023 में यह बढ़कर 302 हो गए और साल 2024 में यह संख्या 3,200 पार कर गई। इसी अवधि में 23 हिंदुओं की मौत और 152 मंदिरों पर हमले भी दर्ज हुए। मानवाधिकार संगठनों के अध्ययन बताते हैं कि साल 2023 से 2024 के बीच 1,045 से अधिक हमले हुए, जिनमें हत्या, भूमि पर जबरन कब्जा, घर और व्यवसाय को नुकसान पहुंचाना, बलात्कार और जबरन धर्म परिवर्तन (इस?लाम अपनाने) जैसी घृणित घटनाएँ शामिल हैं। समझने वाली बात यह भी है कि हिंसा अपराध होने तक सीमित नहीं है, ये जनसांख्यिकीय संकट का संकेत भी है। साल 1974 में बांग्लादेश की कुल आबादी में हिंदू समुदाय 13.5 प्रतिशत था, जबकि मुसलिम आबादी 85.4 प्रतिशत थी। साल 2022 की जनगणना में हिंदुओं का हिस्सा घटकर केवल 7.96 प्रतिशत रह गया। यह स्पष्ट संकेत है कि सामाजिक-दबाव, हिंसा और विस्थापन के कारण यहां हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय लगातार सिकुड़ रहा है। धर्म के अपमान या ईशनिंदा के झूठे आरोप भी तेजी से बढ़े हैं। साल 2025 की जून से दिसंबर अवधि में कम से कम 71 ऐसे मामले दर्ज किए गए। यह दिखाता है कि सोशल मीडिया और अफवाहें समुदायों को भड़काने का माध्यम बन गई हैं और फिर भीड़ हिंसा को बढ़ावा दिया जाता है।राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता इस संकट को और गंभीर बनाती है। बांग्लादेश खुद को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में पेश करने की कोशिश करता है लेकिन उसका व?यवहार इससे उलट है। राजनीतिक अस्थिरता और कट्टरपंथी ताकतों का उभार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो निर्दोष लोगों के जलते घर और पीड़ितों की तस्वीर यहां जीते-जागते सामूहिक असहिष्णुता का दस्तावेज हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समुदाय के लिए भी यह एक गंभीर चेतावनी है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग के अनुसार हर राज्य की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। जब एक धर्मनिरपेक्ष देश अपनी अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा में असफल होता है तो यह संरचनात्मक मानवाधिकार संकट बन जाता है। भारत सहित कई देशों ने अपनी चिंता व्यक्त की है लेकिन कूटनीतिक बयान और चेतावनी अब तक बांग?लादेश के संदर्भ में पर्याप्त नहीं है। समस्या को रोकने के लिए कट्टरपंथी समूहों पर कठोर कार्रवाई, दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी प्रावधान और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आज बेहद अनिवार्य है। जिहाद और इस्लाम के नाम पर पड़ोसी मुल्कों (बांग्लादेश- पाकिस्तान) में हो रही हिंदुओं की हत्याएं आज भी यही बता रही हैं कि धर्म के आधार पर साल 1947 में हुआ भारत विभाजन अभी भी न्याय मांग रहा है।

दृष्टिहीनों की शिक्षा में ब्रेल लिपि की भूमिका

ब्रेल ने इसी आइडिया के आधार पर अपनी लिपि पर कार्य शुरू किया और रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ में अध्ययन के दौरान ही उन्होंने 1824 में अपनी लिपि को तैयार कर लिया, जो काफी सरल थी। इसी लिपि को ब्रेल लिपि के नाम से जाना गया और सरल लिपि की खोज के बाद दुनियाभर में नेत्रहीन या आंशिक रूप से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी काफी हद तक आसान हो गई। अपने इसी आविष्कार के कारण लुई ब्रेल दुनियाभर में दृष्टिबाधित लोगों के लिए मसीहा बन गए।

योगेश कुमार गोयल

ब्रेल लिपि नेत्र विकारों वाले व्यक्तियों और दृष्टि विकलांग लोगों के लिए पढ़ने और लिखने की स्पर्शनीय प्रणाली है, जिसकी खोज 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के कूपवरे में जन्मे लुई ब्रेल ने महज 15 वर्ष की आयु में की थी। संचार के साधन के रूप में ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में विश्वभर में जागरूकता फैलाने, दृष्टि-बाधित लोगों को उनके अधिकार प्रदान करने और ब्रेल लिपि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 जनवरी को ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल के जन्मदिवस को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेन्शन में ब्रेल लिपि को संचार के एक साधन के रूप में उद्धृत किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन ह्ययूनेस्कोह्न ने वर्ष 1949 में ब्रेल लिपि में एकरूपता लाने के उद्देश्य से समस्याओं पर ध्यान देने वाला एक सर्वेक्षण आगे बढ़ाने की पहल की थी।

लुई ब्रेल ने केवल तीन साल की उम्र में ही एक दुर्घटना के कारण अपनी दोनों आंखों की रोशनी खो दी थी। आंखें संक्रमित होने के कारण उनकी आंखों की दृष्टि पूरी तरह चली गई थी लेकिन दृष्टिहीनता के बावजूद उन्होंने न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया बल्कि छात्रवृत्ति पर ह्यरॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथह्न चले गए। 1821 में फ्रांसीसी सेना के एक कैप्टन चार्ल्स बार्बियर लुई ब्रेल के स्कूल के दौरे पर आए थे, जिन्होंने सेना के लिए एक विशेष क्रिप्टोग्राफी लिपि का विकास किया था, जिसकी मदद से सैनिक रात के अंधेरे में भी संदेशों को पढ़ सकते हैं। चार्ल्स ने स्कूल में बच्चों के साथ ह्यनाइट राइटिंगह्न नामक यही तकनीक साझा की, जिसका उपयोग सैनिक दुश्मनों से बचने के लिए किया करते थे। इसके तहत वे उभरे हुए बिन्दुओं में गुप्त संदेशों का आदान-प्रदान करते थे किन्तु उनका यह कोड बहुत जटिल था।

ब्रेल ने इसी आइडिया के आधार पर अपनी लिपि पर कार्य शुरू किया और रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ में अध्ययन के दौरान ही उन्होंने 1824 में अपनी लिपि को तैयार कर लिया, जो काफी सरल थी। इसी लिपि को ब्रेल लिपि के नाम से जाना गया और सरल लिपि की खोज के बाद दुनियाभर में नेत्रहीन या आंशिक रूप से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी काफी हद तक आसान हो गई। अपने इसी आविष्कार के कारण लुई ब्रेल दुनियाभर में दृष्टिबाधित लोगों के लिए मसीहा बन गए। ब्रेल लिपि कोई भाषा नहीं है बल्कि एक तरह का कोड है। यह ऐसी लिपि है, जिसे एक विशेष प्रकार के उभरे कागज पर लिखा जाता है और इसमें उभरे हुए बिन्दुओं की श्रृंखला पर उंगलियां रखकर या उन्हें उंगलियों से छूकर पढ़ा जाता है। ब्रेल लिपि को टाइपराइटर जैसी दिखने वाली एक मशीन ह्यब्रेलराइटरह्न के जरिये लिखा जा सकता है या पेंसिल जैसी नुकीली चीज ह्यस्टायलसह्न और ब्रेल स्लेट ह्यपट्टह्न का इस्तेमाल करके कागज पर बिन्दु उकेरकर लिखा जा सकता है। ब्रेल में उभरे हुए बिन्दुओं को ह्यसेलह्न के नाम से जाना जाता है। 1 से 6 बिन्दुओं की यह एक व्यवस्था या प्रणाली होती है, जिसमें बिन्दु अक्षर, संख्या और संगीत व गणितीय चिन्हों के संकेतकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ब्रेल लिपि के अंतर्गत उभरे हुए बिन्दुओं से एक कोड बनाया जाता है, जिसमें 6 बिन्दुओं की तीन पंक्तियां होती हैं और इन्हीं में इस पूरे सिस्टम का कोड छिपा होता है।

चार्ल्स बार्बियर की शुरूआती कूट लिपि 12 बिन्दुओं पर आधारित थी, जिन्हें 66 की पंक्तियों में रखा जाता था। तब इसमें विराम, संख्या और गणितीय चिन्ह मौजूद नहीं थे। लुई ब्रेल ने इसमें सुधार करते हुए 12 की जगह 6 बिन्दुओं का उपयोग कर 64 अक्षर और चिह्न का आविष्कार किया, जिसमें उन्होंने विराम चिन्ह, संख्या और संगीत के नोटेशन लिखने के लिए भी जरूरी चिह्न उपलब्ध कराए। ब्रेल ने हालांकि 1824 में पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने कार्य को प्रस्तुत किया था लेकिन ब्रेल लिपि प्रणाली को 1829 में पहली बार प्रकाशित कराया। उन्होंने एक प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं दी और अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय ब्रेल लिपि प्रणाली का विस्तार करने में बिताया। हालांकि जीते जी उनके काम को उचित सम्मान नहीं मिला और उनके निधन के 16 वर्ष बाद 1868 में ब्रेल लिपि को प्रामाणिक रूप से मान्यता मिली, जो आज दुनियाभर में मान्य है।

समय के साथ तकनीकी युग में ब्रेल लिपि में कुछ बदलाव होते रहे हैं और अब ब्रेल लिपि कम्प्यूटर तक भी पहुंच गई है। ब्रेल लिपि वाले ऐसे कम्प्यूटर में गोल व उभरे हुए बिन्दु होते हैं और कम्प्यूटरों में यह तकनीक उपलब्ध होने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब दृष्टिहीन व्यक्ति भी तकनीकी रूप से मजबूत हो रहे हैं। ब्रेल लिपि में अब बहुत सारी पुस्तकें निकलती हैं, यहां तक कि स्कूली बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तकों के अलावा रामायण, महाभारत जैसे ग्रंथ भी छपते हैं। भारत सरकार द्वारा 4 जनवरी 2009 को लुई ब्रेल के जन्म को 200 वर्ष पूरे होने पर उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया था। 43 वर्ष की आयु में 6 जनवरी 1852 को लुई ब्रेल का निधन हो गया लेकिन उनकी खोजी ब्रेल लिपि ने आज विश्वभर में दृष्टिहीनों तथा आंशिक रूप से नेत्रहीनों की जिंदगी को बहुत आसान बना दिया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तीर्थाटन और पर्यटन में अंतर

जिससे इंदौर को देशव्यापी स्वच्छता का खिताब मिलता रहे। अब दूषित पेयजल से हुईं 10 से ज्यादा लोगों की मौत ने झूठ से पर्दा उठा दिया है। स्वच्छता के कथित मानकों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लेकिन इन सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर हम अपने नागरिकों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने में क्यों असफल हो रहे हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता। संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है।

भारतीय दर्शन में बुध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्रजीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनिश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है। अद्वैत की धारा शंकराचार्य के पहले से थी, लेकिन शंकराचार्य ने उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र के तत्वों के आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या कहा है। वे घर बैठ तर्क का आनंद उठाने वाले कार्यकर्ता नहीं थे।

शंकराचार्य ने देश की एकता को देखते हुए चार धामों की घोषणा की। उन्होंने उत्तर में ऊंचे पहाड़ों पर बद्रीनाथ धाम की स्थापना की और पश्चिम में द्वारका की। पूरब में जगन्नाथ पुरी की और दक्षिण में रामेश्वरम की। चारों स्थान पहले बहुत प्रतिष्ठित नहीं थे लेकिन शंकर की घोषणा के बाद वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गए। भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्रायः किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है। ऋषिकेश की पहाड़ियों के दरश परश से मन संगीतमय हो जाता है। ऋग्वेद में नदियों से पर उतरने के लिए उथले स्थल को तीर्थ बताया गया है। जहां से हम आसानी से नदी पार कर सकते हैं। उपासना परंपरा में किसी देवता के नाम से चले आ रहे पुण्य स्थान तीर्थ कहलाते हैं। कुंभ (प्रयागराज) में सारी दुनिया के लोग आते हैं। करोड़ों लोगों का यह एकत्रीकरण गंगा, जमुना व सरस्वती का संगम बनता है। प्रयागराज दुनिया का आकर्षण है। ऐसे ही हरिद्वार, रामेश्वरम, तिरुपति, कांचीपुरम आदि अनेक स्थलों पर तीर्थ यात्री भूखे-प्यासे चले जाते हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी ऐतिहासिक तीर्थ हैं। काशी में शिव दर्शन के लिए लाखों लोग आते हैं। वैसे भारतीय दर्शन में तीर्थाटन की तुलना में दर्शन को ज्यादा श्रेष्ठ बताया गया है।

शंकराचार्य ने एकमात्र ब्रह्म की सत्ता को सत्य मानते हुए कर्मकांड को भी उचित बताया है। उन्होंने काशी के प्रवास में अपना दर्शन सबको बताया था। ब्रह्म को एकमात्र सत्य और संसार को मिथ्या बताने वाले आचार्य शंकर के दर्शन ने परवर्ती संतों का ध्यान भी आकर्षित किया था। शंकराचार्य जगत को मिथ्या बताते थे। भारत स्वयं में एक तीर्थ है। सारी दुनिया को परिवार बताने वाला यह राष्ट्र शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों की जन्मस्थली और कर्मस्थली है। आवागमन के साधन बढ़े हैं। शंकराचार्य के समय न साइकिल थी न रेल। आश्चर्य है कि आचार्य ने कैसे भारत भ्रमण किया होगा? अब आवागमन के व्रतगामी साधन बढ़े हैं। हजारों किलोमीटर की दूरी अल्प समय में तय की जा सकती है। आधुनिक सभ्यता के दबाव में देश के लोगों का एक वर्ग तनाव में रहता है। वह तीर्थाटन का मजा नहीं लेता। पर्यटन को महत्व देता है। पर्यटन से मानसिक शांति नहीं मिलती। तीर्थाटन से लौटे परिवार आनंद से भरे-पूरे दिखाई पड़ते हैं। भारत राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरा-पूरा है। पर्यटन उद्योग बन गया है। पर्यटन की दृष्टि से महात्मा गांधी के जन्म और कर्म स्थान साबरमती जाना अपने आप में जीवंत अनुभव है। सरदार पटेल की प्रतिमा केवड़िया, गुजरात में दर्शनीय है। डॉक्टर आम्बेडकर के दिल्ली सहित कई स्थानों पर बने स्मारक दर्शनीय हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणास्थल भी दर्शनीय है। यज्ञ में काफी धन लगता था। इसलिए पुण्य प्राप्त करने के लिए यज्ञ का विकल्प तीर्थ यात्रा बताया गया है। महाभारत वन पर्व के 42वें अध्याय में यज्ञ के विकल्प की चर्चा की गई है। पुलस्त्य भीष्म से कहते हैं कि, ह्यऋषियों के अनुसार यज्ञ करने से इस लोक और परलोक में फल मिलता है। परंतु गरीब मनुष्य यज्ञों का अनुष्ठान नहीं कर सकते। उनके पास साधन नहीं होते। इसलिए जो साधनहीन हैं, वे तीर्थ यात्रा कर सकते हैं। तीर्थ यात्रा को यज्ञ के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहते हैं, ह्यमनुष्य तीर्थ यात्रा से जो फल पाता है वह बड़े से बड़े यज्ञों से नहीं मिलता। महाभारत के रचनाकाल में ज्यादातर तीर्थ कुरुक्षेत्र के आसपास थे। पुष्कर तीर्थ का महत्व बताते हुए कहते हैं, ह्यपुष्कर में दस सहस्त्र कोटि तीर्थ का निवास रहता है।ह्न यहां पुष्कर तीर्थ का महत्व बताने कि लिए दस खरब तीर्थों की उपस्थिति बताई गई है। बताते हैं कि पुष्कर में ब्रह्मा जी नित्य निवास करते हैं। यहां स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ का दस गुना फल मिलता है। पुष्कर तीर्थ ब्रह्मा से जुड़ा हुआ है। महाकाल (उज्जैन) में शिव के दर्शन से हजार गोदान का फल मिलता है।

ऐसी बहस बहुत सी नदियां हैं, जिनमें स्नान करने से यज्ञ के फल मिलते हैं। नर्मदा सहित अनेक नदियों में स्नान से यज्ञों के फल मिलते हैं। महाभारत के रचनाकाल में सरस्वती पर्याप्त जल से भरी हुई दिखाई पड़ती हैं। ये बाद में सूखीं। सिंधु और सागर के मिलन स्थल पर स्नान करने से वरुण लोक मिलता है। सरस्वती ऋग्वेद के ऋषियों की प्रिय नदीतमा हैं। पुलस्त्य कहते हैं कि वायु द्वारा उड़ा कर लाई गई कुरुक्षेत्र की धूल से मनुष्य को परम गति मिल जाती है। जो यहां नहीं रहते कुरुक्षेत्र जाने की इच्छा करें। तीर्थ की प्रशंसा मजेदार है। बताते हैं भूमंडल के निवासियों के लिए नैमिष, अंतरिक्ष निवासियों के लिए पुष्कर और तीनों लोकों के निवासियों के लिए कुरुक्षेत्र तीर्थ है।

देवी उपासना भारत में वैदिक काल से स्पष्ट दिखाई देती है। ऋग्वेद में जल माताएं हैं। वन देवी हैं। उत्तर प्रदेश का विंध्याचल देवी उपासना का महत्वपूर्ण केन्द्र है। मध्य प्रदेश का दतिया और असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शनार्थ पूरे देश से श्रद्धालु आते हैं। तीर्थाटन से मिलने वाले लाभ व हानि पर आग्रही बहस चलना जरूरी नहीं है। मुख्य बात है देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भारत भक्तों का आवागमन। शंकराचार्य ने इसीलिए चारों धामों की स्थापना की थी। प्रत्येक तीर्थ के साथ अविश्वसनीय कथाएं चलती हैं। इन्हें बड़े सरल ढंग से अंधविश्वास कहा जा सकता है लेकिन पर्यटन का विकल्प तीर्थाटन ही है।

कठोर संयम, साधना और आत्मशुद्धि का महापर्व

प्रयागराज में गंगा, यमुना और अगोचर सरस्वती के पावन संगम तट पर 3 जनवरी पौष पूर्णिमा से माघ मेला शुरू हो चुका है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में धमार्चार्य, साधु-संत और श्रद्धालु संगम की रेती पर बनी घास-फूस की झोपड़ियों और तंबुओं में अपनी गृहस्थी बसा चुके हैं। रेत पर बने इन शिविरों में फिलहाल अधिकांश संख्या उन श्रद्धालुओं की है, जो कल्पवास करने के लिए पावन भूमि पर एकत्र हुए हैं। कल्पवास की साधना एक माह अर्थात पौष पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर माघ पूर्णिमा तक चलती है। कल्पवास को संगम तट पर लगने वाले माघ मेले की सबसे विशेष साधना कहा जाता है, जिसे मानव के लौकिक और पारलौकिक दुखों के निवारण का माध्यम माना गया है। कल्पवास शब्द का आशय होता है एक निश्चित समयावधि तक किसी एक स्थान पर निवास करना, परंतु धार्मिक संदर्भों में कल्पवास से तात्पर्य माघ मास में किसी पावन नदी के तट पर निवास और नियम-संयम की दिनचर्या का पालन करते हुए धार्मिक गतिविधियों में संलग्न रहना है। कल्पवास गृहस्थ साधकों की साधना का एक विधान है, जिससे मानव मन में आत्मशुद्धि, अनुशासन और ईश्वर के प्रति भक्ति भाव जागृत होता है। कल्पवास के विधान और नियम किसी कठोर साधना से कम नहीं हैं। हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में इसे मोक्ष प्राप्ति का साधन भी कहा गया है। तीर्थ पुरोहित कहते हैं कि मानव जाति के जन्म-जन्मांतर के कष्टों के निवारण और मोक्ष प्राप्ति के लिए संगम तट पर कल्पवास का विधान किया गया है। कल्पवास की परम्परा अति प्राचीन है, क्योंकि इसका उल्लेख पुराणों और रामायण में मिलता है। कल्पवास के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को पौष पूर्णिमा के दिन सबसे पहले अपना क्षौर कर्म (मुंडन) कराना होता है। मुंडन के बाद संगम स्नान कर श्रद्धालु को कल्पवास साधना का संकल्प लेना होता है। यह संकल्प तीर्थ पुरोहित या घाट पर रहने वाले गंगापुत्र कराते हैं। संकल्प की विधि में कल्पवासी अपना नाम, गोत्र और कल्पवास का उद्देश्य बताता है। तीर्थ पुरोहित बताते हैं कि अधिकांश लोगों का ध्येय कष्ट निवारण और मोक्ष की कामना होता है, जबकि बदलते परिवेश में अब अधिकांश लोग पारिवारिक दोष निवारण, वंश परम्परा को आगे बढ़ाने तथा बच्चों के व्यापार और रोजगार के लिए भी कल्पवास का व्रत लेते हैं। संकल्प के पश्चात कल्पवासी अपने शिविर में जाकर शालिग्राम या अपने पूज्य देवता की मूर्ति अथवा फोटो स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। देव स्थापना के बाद कल्पवासी अपने शिविर के बाहर जौ की बुवाई और तुलसी के विरवे (पौधे) को रोपते हैं। मान्यता है कि ये दोनों कर्म कल्पवासी के सृजन, संकल्प और आत्मशुद्धि को प्रदर्शित करते हैं। इस विधान के पूर्ण होने के पश्चात ही जलपान और भोजन किया जाता है। विधान के अनुसार पति-पत्नी को एक साथ कल्पवास करना चाहिए, लेकिन अपवाद की स्थिति में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है।

कठोर तपस्या का व्रत

कल्पवास को गृहस्थ जीवन के लिए कठोर साधना का व्रत कहा जा सकता है। इस अवधि में सात्विक और अनुशासित जीवन जीना आवश्यक होता है। कल्पवास अवधि में तीन बार गंगा स्नान, भूमि पर शयन, एक बार भोजन और धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण मुख्य होता है। कल्पवासियों की दिनचर्या ब्रह्म मुहूर्त से प्रारम्भ होती है। माघ मास की कठोर सर्दी में तीन बार स्नान का विधान है–पहला प्रातःकाल, दूसरा अपराह्न और तीसरा सायंकाल।

टिप्स

ऑफिस में बैठे-बैठे बढ़ रहा है पेट? ऐसे करें कंट्रोल

अगर आप ऑफिस या फील्ड में लंबे समय तक काम करने वाले वर्कर्स हैं, ऐसे में आप वजन को कम करना चाहते हैं, तो अब आप आसानी से वजन को कम कर सकते हैं। लगातार बैठे रहना, अनियमित भोजन और जंक फूड की आदतें वजन बढ़ाने के मुख्य कारण हैं। बायोमेड सेंट्रल (इटउ) के एक अध्ययन बताता है कि लोग सेडेंटरी काम करते हैं यानी ऑफिस में बैठकर काम करते हैं उनमें पेट की चर्बी होने की संभावना अधिक हो जाती है। अगर आप नियमित रुप से हेल्दी आदतें को अपनाएंगे तो वजन को कम करने बेहद आसान हो जाएगा। आइए आपको बताते हैं कैसे करें वजन को कम। अगर लंबी ड्यूटी करते समय आपको भूख लगे तो आप भी जंक फूड का सेवन करते हैं, तो नट्स, फल, दही या ओट्स जैसे हेल्दी स्नैक्स लें। फिटनेस कोच ने बताया कि हेल्दी स्नैक्स लंबे समय तक पेट का भरा रखते हैं और शुगर क्रेविंग को कम करेंगे और कंट्रोल करेंगे। हेल्दी स्नैक्स का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती हैं। लॉन्ग टाइम वर्क के दौरान आप कम से कम 10-15 मिनट के छोटे वर्कआउट्स कर सकते हैं। यह स्ट्रेचिंग, स्कवैट्स, वॉक या हल्की कार्डियो एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है और कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया को बढ़ाते हैं। इसलिए छोटे ब्रेक आपके लिए शरीर और दिमाग दोनों को रिफ्रेश करते हैं और लंबी जॉब के दौरान बैठकार काम करने से नुकसान को कम करते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

ड्रिंक एंड ड्राइव जागरूकता व जांच अभियान

नशे की हालत में वाहन चलाना दंडनीय अपराध : मिथिलेश कुमार

संवाददाता

साहिबगंजः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत चौथे दिन जिलेभर में ड्रिंक एंड ड्राइव जागरूकता व जांच अभियान का आयोजन किया गया।यह अभियान जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में साहिबगंज ज़िले के सभी थाना क्षेत्रों, चौक चौराहों और प्रमुख मार्गों पर एक साथ संचालित किया।अभियान के दौरान दोपहिया, चारपहिया, ट्रक, बस व अन्य वाणिज्यिक वाहनों के चालकों की जांच अल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से की गई। नशे की हालत में वाहन चलाने की स्थिति पाए जाने पर संबंधित चालकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई। जबकि जिला परिवहन विभाग द्वारा यह संदेश दिया गया कि शराब अथवा नशे की हालत में वाहन चलाना एक दंडनीय अपराध है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के अंतर्गत इस पर 10,000 हजार का जुर्माना अथवा 6 माह का कारावास का प्रावधान है।विभाग ने सभी वाहन चालकों से नियमों का कड़ाई से पालन करने एवं सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने की अपील की।अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल का वितरण किया गया तथा लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।जिला परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और जागरूकता ही दुर्घटना रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है।

साहिबगंज की अंडर-19 टीम गोड्डा रवाना

संवाददाता

साहिबगंजः जेएससीए के तत्वावधान में 3 जनवरी से शुरू हुए अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए साहिबगंज की टीम रविवार को सड़क मार्ग से गोड्डा के लिए रवाना हो गई। जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने बताया कि 5 जनवरी को गोड्डा में साहिबगंज का मैच गोड्डा की टीम के साथ होगा। इसके उपरांत साहिबगंज की टीम दुमका जाएगी। जहां 6 जनवरी को साहिबगंज का मैच जामताड़ा से, 7 जनवरी को साहिबगंज का मैच दुमका से एवं 8 जनवरी को साहिबगंज का मैच पाकुड़ से होगा। इधर जिला सचिव अंकुर सिन्हा, चंदन यादव व प्यूशम सिंह सहित अन्य ने बस स्टैंड पहुंच खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

न्यूज IN ब्रीफ

अप्रैल में आयोजित की जाएगी राज्य स्तरीय सीनियर ओपन शतरंज प्रतियोगिता

दुमकाः रविवार को शहर के इंडोर स्टेडियम में जिला शतरंज संघ की बैठक उमाशंकर चौबे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए श्री चौबे ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल माह में सीनियर ओपन शतरंज की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी एवं 17 से 18 जनवरी को अंडर 11 एवं अंडर 15 बालक एवं बालिका की शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिला शतरंज सचिव घनश्याम प्रसाद साह ने बताया की सभी स्कूलों में नोटिस भेज दिया जाएगा जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चा भाग ले सके बैठक में सदस्य एवं खेल प्रेमी क्रमशः उपाध्यक्ष संदीप कुमार, राजेश कुमार मिश्रा, सचिव घनश्याम प्रसाद एवं सह सचिव मिट्ठू कुमार पांडे, प्रकाश कुमार संजय साह एवं खेल प्रेमी मधुर कुमार सिंह, महेंद्र प्रसाद साह एवं संजय कुमार मौजूद थे।

झारखंड बुनकर संघ ने किया वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन

साहिबगंजःबोरियो प्रखंड क्षेत्र के धोगौड़ा मैदान में झारखंड बुनकर संघ के अध्यक्ष नसीम अंसारी के नेतृत्व में वनवोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।इस वनभोज कार्यक्रम में सैकड़ों बुनकर, प्रमुख,झामुमो नेता,बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य ग्रामीण शामिल हुए।संघ के अध्यक्ष नसीम अंसारी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी वनभोज का आयोजन किया गया।जहां बुनकर संघ के बीच आपसी सौहार्द और एकजुटता पर चर्चा की गई।वर्ष 2026 में क्षेत्र में विकास कार्य कराने को लेकर विशेष चर्चा की गई। इस मौके पर संघ के सचिव मुजफ्फर अंसारी,बुनकर संघ के मनोवर आलम,जमीर अंसारी, गुलाम अंसारी,सोहराब अंसारी, मुरसलीम,नासिर,गुलाम अंसारी,झामुमो नेता गफ्फार अंसारी,रिजवान अंसारी, फरहाद अंसारी,मौलवी इम्तियाज इस्लाही,महमूद अंसारी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की तैयारी की समीक्षा को लेकर बैठक

साहिबगंजः दस और 11 जनवरी को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की तैयारी की समीक्षा को लेकर रविवार को साहित्य की दुनिया मंच के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।मंच के अध्यक्ष गोपाल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की सफलता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में देशभर से आने वाले साहित्यकारों के आगमन से लेकर उनके विदाई तक की व्यवस्था पर विचार विमर्श किया जबकि मंच के महासचिव सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन 10 जनवरी को दिन में 10 बजे राजमहल विधायक मो० ताजुद्दीन उर्फ एमपी राजा और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।उन्होंने बताया कि आयोजित बैठक में सभी सदस्यों को अलग-अलग दायित्व दी गई है जिसका निर्वहन सभी सदस्य अपने-अपने स्तर से करेंगे।कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने को लेकर आवास व भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी गोपाल चोखानी को दी गई।जबकि मंच की जिम्मेवारी रानी झा व रीमा सिंह के जिमा में रहेगी।इसी प्रकार उद्घाटन सत्र का संचालन भगवती रंजन पांडे द्वारा किया जाएगा।जबकि कवि सम्मेलन का संचालन दुमका के कवि नवीन चंद्र ठाकुर रांची के कवि ममता मनीष सिंह, सुधीर श्रीवास्तव के द्वारा अलग-अलग किया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन भी अतिथियों का आना जारी रहेगा।रविवार को आयोजित बैठक में अध्यक्ष एवं महासचिव के अलावा मंच के कोषाध्यक्ष गोपाल चोखानी,डॉ रानी झा,सुबोध कुमार झा,रीमा सिंह,परशुराम गुप्ता,भगवती रंजन पांडे,डॉक्टर सुरेंद्रनाथ तिवारी सहित अन्य लोगों उपस्थित थे।

महाराजपुर महायज्ञ समिति के अध्यक्ष बने संजीव कुमार महतो

आगामी श्री श्री 108 महारुद्र यज्ञ 2026 की तैयारियों को लेकर ग्रामीणों की बैठक

संवाददाता

साहिबगंजः तालझारी प्रखंड के महाराजपुर क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बनाने के उद्देश्य से आगामी श्री श्री 108 महारुद्र यज्ञ 2026 की तैयारियों को लेकर ग्रामीणों ने एक बैठक की।इस बैठक में यज्ञ को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए सर्वसम्मति से नई संचालन समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष संजीव कुमार महतो उर्फ मंटू राय,उपाध्यक्ष कृष्णा महतो,बिरजू महतो,संजय साह,पंकज यादव,जनार्धन महतो और सनी यादव,सचिव मुन्ना यादव,कोषाध्यक्ष विनोद महतो को बनाया गया है।वही यज्ञ संचालन के लिए संरक्षक मंडल और उप-समितियां भी बनाया गया है।जिसमें केदारनाथ साह,गंगा सिंह,सियाराम सिंह,रामानंद यादव और विवेकानंद पाण्डेय को शामिल किया गया है।इसके अलावा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए कई उप-समितियों का भी गठन किया गया। इसमें उप-सचिव नरेश महतो,विक्की गुप्ता,शिवा चौरसिया,मेला प्रभारी जयप्रकाश भगत,प्रदीप महतो,विष्णु गुप्ता और पिकलु महतो,भंडारा प्रभारी गोविंदा महतो,रोहित महतो,सुनील महतो,सूरज गुप्ता,प्रमोद महतो, शिवदर्शन महतो,मिथुन शर्मा,कुन्दन साह,प्रदीप साह,शेखर कुमार महतो, बिहारी महतो और चन्दन साह मीडिया प्रभारी रोशन कुमार राम और सुकेश जोशी और प्रेम कुमार महतो के आलवे पूजा प्रभारी कृष्णा चौरसिया और अमन कुमार गुप्ता,वही सफाई प्रभारी सकलदीप महतो और सुकुल महतो को बनाया गया है।अध्यक्ष संजीव कुमार महतो ने बताया कि 2026 में होने वाला यह महारुद्र यज्ञ ऐतिहासिक होगा।उन्होंने बताया कि जल्द ही कलश यात्रा और यज्ञ की तिथियों की विधिवत घोषणा की जाएगी।साथ ही मीडिया प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे यज्ञ से जुड़ी हर जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से इसका प्रचार प्रसार करे।

सिविल सोसाइटी ने किया लुई ब्रेल को नमन

संवाददाता

दुमका : रविवार को शहर के सरदार पटेल चौक पर पटेल सेवा संघ, शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच तथा सिविल सोसायटी दुमका के संयुक्त तत्वाधान में लुई ब्रेल जी के 217वें अवतरण दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम पटेल सेवा संघ दुमका के अध्यक्ष अशोक कुमार राउत की अध्यक्षता तथा सिविल सोसाइटी के सचिव संदीप कुमार जय बमबम के संचालन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिविल सोसायटी,दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केशरी,अरुण कुमार सिन्हा,उमाशंकर चौबे,मनोज कुमार घोष,मधुर कुमार सिंह,संजय कुमार,राजेश कुमार चौरसिया,विनोद कुमार राउत,गजेन्द्र कुमार,रवि कुमार गोलू, चन्दन यादव आदि के साथ कार्यक्रम में विशेष रूप से नेशनल ब्लाइंड यूथ एसोशिएशन के महासचिव संजीव कुमार मोहली,बाबुधन हांसदा, सगुण मुर्मू, रवि हांसदा,आंध्रयेश टुडू,सजीव मुर्मू, बाबूधन हेंब्रम,लखखी मोहली, देवलाल राय उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पण किया और श्रद्धैय लुई ब्रेल जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। सबसे महती उपस्थिति नेत्रहीन विद्यालय के छात्रों की उपस्थिति थी जिन्हें मंच की ओर से सम्मानित भी किया गया। महामानव लुइ ब्रेल के बारे में बताते हुए अरूण सिन्हा ने कहा कि महामानव जन्म से नहीं होते बल्कि अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से इस अवस्था को प्राप्त करते हैं और लुइ ब्रेल ने यही किया था। जन्म के कुछ वर्षों के बाद ही एक दुर्घटना में उनकी आंखें जाती रही और इसी पीड़ा को भोगते हुए उन्होंने उस लिपि का आविष्कार किया जिसे आज ब्रेल लिपि कहा जाता है और आज यही लिपि वैश्विक स्तर पर उन दिव्यांगों के लिए वरदान बन गया। धन्यवाद ज्ञापन सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने की।

फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत बरहेट मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार एवं जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज के सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था एवं नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।उन्होंने सभी वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट व अन्य सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।जिला सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिले भर में जन जागरूकता कार्यक्रम रैली, प्रचार प्रसार अभियान हैंडबिल, पंपलेट व बुकलेट वितरण के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिसमें गुड सेमैरिटन पॉलिसी राह-वीर योजना की जानकारी भी दी गई। जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नेक नागरिक को सरकार द्वारा 25,000 की प्रोत्साहन राशि प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। आम नागरिकों से बिना किसी भय या संकोच के घायल व्यक्तियों की मदद करने की अपील की गई। सड़क सुरक्षा माह 2026 का उद्देश्य केवल दुर्घटना के आंकड़ों में कमी लाना नहीं, बल्कि लोगों में जीवन के प्रति जिम्मेदारी एवं जागरूकता की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना निंदनीय: दिनेश यादव

संवाददाता

साहिबगंज : राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने भाजपा द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटा कर वीजी राम जी किये जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।उन्होंने कहा कि मनरेगा से भाजपा सरकार द्वारा महत्मा गांधी का महात्मा गांधी का नाम हटाने का सचेत निर्णय वैचारिक है। गांधी जी की श्रम की गरिमा समाजिक न्याय और सबसे गरीबों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी के प्रतीक है।यह नाम परिवर्तन गांधी जी के मुल्यों के प्रति भाजापा आरएसएस की दीर्घकालिक असहजता और अविश्वास को दर्शाता है तथा एक जन केन्द्रित कल्याणकारी कानून से राष्ट्रपिता के जुड़ाव को मिटाने का प्रयास है।श्री यादव ने कहा कि यह प्रस्तावित नया विधेयक उस कानूनी काम के अधिकार को समाप्त कर देता है जो,मनरेगा ने प्रदान किया था।यह मांग आधारित,वैधानिक अधिकार की जगह एक केन्द्र नियंत्रित योजना लाता है,जिसमे न तो रोजगार की कोई कानून लागू की जा सकने वाली गारंटी है न सार्वभौमिक कबरेज और न ही यह आश्वासन कि आवश्यकता के समय लोंगो को काम मिलेगा। वस्तुतःकाम के अधिकार को ही समाप्त किया जा रहा है।

प्रेस क्लब ने किया नववर्ष मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन

संवाददताा

साहिबगंज/बरहरवाः बरहरवा के ऐतिहासिक स्थल बिंदुधाम की तलहटी में रविवार को बरहरवा प्रेस क्लब द्वारा वनभोज सह मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन बरहरवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस दौरान मौके पर बरहरवा एवं पतना के पत्रकार बंधु के साथ-साथ के प्रशासनिक पदाधिकारी एवं व्यवसाय गण शामिल हुए।वही रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव के जन्मदिन के मौके पर बनभोज सह मिलन सम्मेलन समारोह के दौरान ही थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद के द्वारा केक काटकर मौजूद पत्रकार बंधु, प्रशासनिक प्राधिकारी एवं व्यवसायियों ने थानेदार अखिलेश कुमार यादव को जन्मदिन की शुभकामना दिए हैं।वही मौके पर मौजूद प्रेस क्लब की संरक्षक रामनाथ विद्रोही ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिंदु धाम की तलहटी में बरहरवा प्रेस क्लब के बैनर तले वन भोज सम्मेलन सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें बरहरवा और पतना के विभिन्न प्रशासनिक पदाधिकारी ,राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि के साथ-साथ बार हर बरहरवा एवं पतना के पत्रकार गण शामिल हुए और बनभोज सह मिलन समारोह का लुफ्त उठाते हुए एक दूसरे को अंग्रेजी नव वर्ष की शुभकामनाएं दिए हैं।वन भोज सह मिलन समारोह के दौरान मौजूद पत्रकार बंद्धु व्यवसायिक सहित अन्य डीजे के धुन पर नाचते गाते नजर आए हैं।बनभोज सह मिलन समारोह में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल, पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार राणा, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव,बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास,विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,अध्यक्ष अब्दुल गफूर,शक्ति नाथ अमन,नगर अध्यक्ष श्यामल दास,भाजपा नगर अध्यक्ष रविंद्र भगत,पत्रकार गण देवजीत कुशवाहा, राहुल कुशवाहा,भक्ति पांडे अजय कुमार अजय कुमार संतोष तिवारी,नीरज कुमार जैन, रमेश टुडू,सन्नी कुमार,सोनू कुमार, प्रेम कुमार,बेंजामिन हेम्ब्रम, सुधाकर गुप्ता,अरविंद पांडे ,देवोजित कुशवाहा,शंभू रजक, राहुल कुमार,अमन राय, संतोष शर्मा,भास्कर यादव ,मकसूद मलिक ,फारोक एहसान,सहित अन्य मौजूद रहे।

मेंस एचआईएल 2025-26: श्राची बंगाल टाइगर्स ने जीत के साथ किया खिताब रक्षा अभियान का आगाज

एजेंसी

चेन्नई : डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने मेनह्ल२ हीरो हॉकी इंडिया लीग (ल्क्छ) 2025-26 में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 3-1 से पराजित किया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम, एग्मोर में खेले गए इस मुकाबले में टाइगर्स ने संतुलित आक्रमण और सधी हुई रक्षा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। श्राची बंगाल टाइगर्स की ओर से सुखजीत सिंह (33ह्ल), अभिषेक (45ह्ल) और गुरसेवक सिंह (60ह्ल) ने गोल दागे, जबकि सूरमा के लिए एकमात्र गोल प्रभजोत सिंह (54ह्ल) ने किया। मुकाबले का पहला क्वार्टर काफी संतुलित रहा। दोनों टीमों ने सतर्क शुरूआत की और खेल को समझने में समय लिया। सूरमा ने लंबे पास और साइड बदलकर टाइगर्स की डिफेंस को फैलाने की कोशिश की, वहीं टाइगर्स ने तेज काउंटर अटैक और एरियल बॉल्स के जरिए मौके बनाने का प्रयास किया। हालांकि शुरूआती 15 मिनट में कोई भी टीम स्पष्ट गोल मौका नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में श्राची बंगाल टाइगर्स का दबदबा बढ़ता दिखा। अभिषेक ने आक्रमण में लगातार सक्रिय रहते हुए कई पेनल्टी कॉर्नर दिलाए, लेकिन सूरमा के गोलकीपर विंसेंट वानाश ने शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए अपनी टीम को बचाए रखा। हाफ टाइम तक स्कोर 0-0 बना रहा।

तीसरे क्वार्टर में टाइगर्स ने आखिरकार बढ़त बना ली। 33वें मिनट में टॉम ग्रामबुश के पेनल्टी कॉर्नर फ्लिक को सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन के साथ गोल में बदल दिया। इसके बाद टाइगर्स का आक्रमण जारी रहा और 45वें मिनट में अभिषेक ने डिफेंडर को चकमा देते हुए तीखे रिवर्स हिट से गेंद को जाल में पहुंचाकर बढ़त को 2-0 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में जेएसडब्ल्यू सूरमा ने वापसी की कोशिश की और 54वें मिनट में प्रभजोत सिंह ने बेहतरीन टीम मूव का फायदा उठाते हुए गोल कर अंतर को कम किया। इसके बाद सूरमा ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया और आखिरी क्षणों में गोलकीपर को बाहर निकालकर अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेला। इसी दौरान टाइगर्स ने मौका भुनाया। अभिषेक ने गेंद पर कब्जा जमाकर गुरसेवक सिंह को पास दिया, जिन्होंने 60वें मिनट में खाली गोल में गेंद डालकर जीत सुनिश्चित कर दी। सुखजीत सिंह को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्ल चुना गया। इस जीत के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स ने खिताब बचाने की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है।

भीख मांगोगे आप लोग...

शुभांगी अत्रे के बयान पर Shilpa Shinde का यू-टर्न

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस और 'भाबी जी घर पर हैं' की पुरानी वाली 'अंगूरी भाभी' करीब 10 साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस अपने कमबैक को लेकर नहीं बल्कि अपने बयान को लेकर चर्चा में बनी हैं. शिल्पा शिंदे ने वापसी के बाद कई इंटरव्यूज दिए जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे को लेकर कुछ ऐसा बयान दिया था, जिसके बाद वह ट्रोल होने लगी थी, लेकिन अब शिल्पा ने अपनी सफाई पेश की, जिसमें उन्होंने न सिर्फ बयान से पल्ला झाड़ा बल्कि, मीडिया के सिर ही इस पूरे तमाशे का इल्जाम धर दिया है.

शुभांगी अत्रे को लेकर क्या बोली थीं Shilpa Shinde?

शो में वापसी के बाद शिल्पा शिंदे ने अपनी और शुभांगी की एक्टिंग की तुलना पर चुप्पी तोड़ते हुए एक इंटरव्यू में कहा था कि, 'मेरा रिएक्शन तभी भी वही था. शायद उसे उसका परफॉर्म करने के लिए कहते तो कुछ और हो जाता. कॉपी करने के लिए कह दिया तो वहां गड़बड़ हो गई. वरना वो अच्छा कर लेती, जो भी है उसने 10 साल काम किया है, कॉपी नहीं करना चाहिए था. जाहिर सी बात है कि करवाया गया है तो किया है, लेकिन लोगों के बच तुलना होनी शुरू हो गई. अगर नहीं करते तो शायद वो नहीं होती. तो ये चीजें मुझे थोड़ी खटकी.' जिसके बाद शिल्पा शिंदे काफी ट्रोल हुई थीं.

ट्रोलिंग के बाद शिल्पा शिंदे का वीडियो आया सामने

वहीं अब ट्रोलिंग के बाद शिल्पा शिंदे ने नया वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने बयान से पलटी मार ली और इस पूरे तमाशे का जिम्मेदार मीडिया को ठहराते हुए उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई. शिल्पा शिंदे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, 'ये वीडियो खास उन जनर्लिस्ट्स के लिए है, जिनका जर्नलिज्म उनकी रोजी-रोटी है. उस रोजी-रोटी से आप अपने बच्चों को खिलाते हो, सिखाते हो आप इस तरह से किसी के साथ गंदा करके आप अपना घर परिवार चलाते हो आपको शर्म आनी चाहिए.'

शिल्पा शिंदे वीडियो में आगे कहती हैं, 'भीख मांगोगे आप लोग, क्योंकि आप लोग मुझे इतना बुरा बोलने के लिए मजबूर कर रहे हो. एक वीडियो को आप एक स्टेटमेंट को गलत तरीके से लोगों को पूछ रहे हो, गलत तरीके से उसे दिखा रहे हो एडिट करके... कसम से जरा भी शर्म नहीं आती? और जितना भी दिखाया है उसमें मैंने क्या बोला है, उसमें मैंने एक भी चीज नेगेटिव नहीं बोली है.'

Shubhangi Atre को लेकर शिल्पा ने कही ये बात

वो आगे कहती हैं , 'सच कड़वा होता है, हमें भी सुना है कॉमेडी कोई आसान काम नहीं है. उससे पहले मैंने ये भी बोला है कि, शुभांगी अत्रे बहुत अच्छी एक्ट्रेस है और मेरा हर जगह पर यही स्टेटमेंट है कि, शुभांगी अत्रे बहुत अच्छी एक्ट्रेस हैं वो शायद अपना करती तो शायद उस चीज को मैं भी मैच नहीं कर सकती और उसके बावजूद उसने वो किया है और 9 साल इस तरह से शो चलाना बहुत बड़ी बात है. इतना आसान नहीं है, बाकी के सारे आर्टिस्ट चेंज हो गए लेकिन शुभांगी ने पूरे 9 साल बिना रिप्लेस हुए किया है, तो ये बहुत बड़ी बात है उसके लिए.'

बेंगलुरु ओपन 2026: सिद्धार्थ रावत क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में, आज से मेन ड्रॉ की शुरूआत

एजेंसी

बेंगलुरु : 10वें डाफा न्यूज बेंगलुरु ओपन 2026 में रविवार को क्वालीफाइंग मुकाबलों की शुरूआत के साथ ही एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम रोमांचक मुकाबलों का गवाह बना। पहले दिन खेले गए क्वालीफाइंग के पहले दौर में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले। भारत के सिद्धार्थ रावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में जगह बना ली। रावत ने अपने ही देश के नितिन कुमार सिन्हा को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया। मुकाबले की शुरूआत से ही रावत आत्मविश्वास से भरे नजर आए और पहले सेट में आक्रामक खेल के दम पर बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में नितिन सिन्हा ने जोरदार वापसी करते हुए रावत की सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली, लेकिन रावत ने अनुभव का परिचय देते हुए लगातार दो अहम ब्रेक हासिल किए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन हालांकि चुनौतीपूर्ण रहा। देव जाविया और आदिल कल्याणपुर ने क्रमशः डोमिनिक पालान और ईरो वासा के खिलाफ तीन-सेट के कड़े मुकाबलों में जुझारू प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उन्हें हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में जगह बनाने वाले अन्य खिलाड़ियों में चीनी ताइपे के कुआन-यी ली, जापान के रयोतारो टैगुची और जुम्पेई यामासाकी, मलेशिया के मित्सुकी वेई कांग लियोंग, ट्यूनीशिया के अजीज औकाका, नीदरलैंड्स के नील्स विस्कर और फ्रांस के आर्थर रेमोंड व फेलिक्स बालशॉ शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी सोमवार सुबह होने वाले अंतिम क्वालीफाइंग मुकाबलों में मेन ड्रॉ में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। दिन के अंत में यूक्रेन के यूरी दझावाकियन और फ्रांस के एलेक्सिस गॉतिए के बीच मुकाबला खेला जाना था।

5 से 9 जनवरी पांवटा साहिब में नेशनल खेल महाकुंभ, 17 राज्यों की टीमें लेंगी भाग

नाहन : पांवटा साहिब एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर उभरने जा रहा है। यहां अंडर-14 नेशनल वॉलीबॉल टूनामेंट का आयोजन होने जा रहा है जिसमें देश के 17 राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 290 युवा खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस राष्ट्रीय आयोजन को लेकर जॉइनिंग डायरेक्टर्स, स्कूल एजुकेशन हिमाचल प्रदेश ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि 5 से 9 तारीख तक चलने वाले इस टूनामेंट का उद्घाटन प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर करेंगे जबकि समापन समारोह में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन?होने बताया गया कि कई राज्यों की टीमें पांवटा साहिब पहुंच चुकी हैं, जबकि शेष टीमें रात तक पहुंच जाएंगी। खिलाड़ियों के लिए खानपान, ठहराव, सुरक्षा, परिवहन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने कहा कि यह टूनामेंट न केवल हिमाचल प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

जेल से सुकेश का जैकलीन को 'क्रिसमस गिफ्ट', लग्जरी मेंशन 'लव नेस्ट' अभिनेत्री के नाम करने का दावा किया

जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को क्रिसमस के मौके पर एक रोमांटिक लेटर लिखा। इस लेटर में सुकेश ने जैकलीन को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बेवर्ली हिल्स में एक शानदार मेंशन गिफ्ट करने का ऐलान किया है। सुकेश ने लेटर में बताया कि इस घर का नाम 'लव नेस्ट' रखा है, जो उनके प्यार का प्रतीक है। पत्र में सुकेश ने जैकलीन को 'मेरा बच्चा, मेरा बोम्मा' और 'मेरी जैकलीन' कहकर संबोधित किया है। उन्होंने लिखा, क्रिसमस का त्योहार तुम्हारे साथ बिताए खास पलों की याद दिलाता है और हमारा प्यार हमेशा यादगार रहेगा।' सुकेश ने कहा कि इस बार का गिफ्ट कोई साधारण चीज नहीं, बल्कि कुछ ऐसा है जो क्रिसमस ट्री के नीचे फिट नहीं हो सकता। हालांकि, सुकेश ने इस बात का अफसोस भी जताया कि वह जैकलिन की खुशी भरी मुस्कान नहीं देख पा रहे हैं। सुकेश ने पत्र में बताया, ' 'द लव नेस्ट' वह घर है जो मैंने हम दोनों के लिए बनवाया था। पहले तुम्हें लगता था कि यह पूरा नहीं होगा, लेकिन मैंने इसे पूरा कर लिया और अब क्रिसमस के दिन इसे गिफ्ट कर रहा हूं। यह घर पहले की योजना से भी बड़ा और बेहतर है। खास बात यह है कि घर के आसपास एक निजी 19-होल गोल्फ कोर्स है, जो पूरे अमेरिका में अपनी तरह का अनोखा है। लेटर में सुकेश ने जैकलिन की मां को भी याद किया, जिनकी मुस्कान और आशीर्वाद को वह हमेशा महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, 'मां हमेशा हमारे साथ हैं।

स्टाइल, कम्फर्ट और एफर्टलेस एलिगेंस का परफेक्ट मेल है नुशरत भरुचा का एयरपोर्ट लुक्स

नुशरत भरुचा का ट्रैवल फैशन हमेशा स्टेटमेंट बनाता है, फिर वह चाहे रिलैक्स को-ऑर्ड सेट्स हो या चिक ओवरसाइज़्ड सिलुएट्स हो और हर बार नुशरत ये साबित करती हैं कि कम्फर्टेबल आउटफिट्स भी ट्रेंड अपील से समझौता किए बिना स्टाइलिश हो सकते हैं। न्यूट्रल टोन, स्मार्ट लेयरिंग और मिनिमल एक्सेसरीज़ उनके एयरपोर्ट स्टाइल के अहम एलिमेंट्स हैं। चाहे कैजुअल डेनिम लुक हो या ब्रीज़ी एथलीज़र एंसेंबल, नुशरत हर बार फंक्शनल और फैशनेबल बैलेंस बनाए रखती हैं। लंबे सफ़र के लिए उनकी स्नीकर्स और फ्लैट्स की चॉइस प्रैक्टिकैलिटी को हाइलाइट करती है। सटल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल उनके पॉलिश्ड ऑफ-ड्यूटी वाइब को और निखारते हैं। हर लुक उनके पर्सनल स्टाइल को दर्शाता है, साथ ही ट्रैवल-फ्रेंडली भी रहता है। ये एयरपोर्ट आउटफिट्स आसानी से रीक्रिएट किए जा सकते हैं और हर मौसम के लिए अनुकूल हैं। वाकई, नुशरत भरुचा का एयरपोर्ट फैशन एक स्टाइलिश और कम्फर्टेबल ट्रैवल वॉर्डरोब के लिए बेहतरीन इंस्पिरेशन है।

दीपिका की आठ घंटे शिफ्ट की मांग पर कियारा ने दी प्रतिक्रिया

किसी भी इंडस्ट्री में तनाव अच्छा नहीं

हालिया बातचीत में कियारा आडवाणी ने मां बनने के बाद काम और व्यक्तिगत जिंदगी में संतुलन के महत्व को लेकर बात की। आठ घंटे की शिफ्ट पर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर कियारा ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्री में अत्यधिक तनाव किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। मेरे काम करने का तरीका प्रमुख रूप से तीन प्वॉइंट्स पर निर्भर रहता है। ये हैं- गरिमा, संतुलन और सम्मान।

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग करने के बाद इस मुद्दे को लेकर इंडस्ट्री में एक बहस चल रही है। हालांकि, इस मामले पर दीपिका को इंडस्ट्री के कई लोगों का समर्थन भी मिला है। अब इस बहस में नई-नवेली मां बनीं कियारा आडवाणी ने भी एंट्री की है। मां बनने के बाद पहली बार कियारा ने अब आठ घंटे काम करने के मुद्दे पर अपनी राय दी है। उन्होंने प्रोफेशनल जिंदगी और पर्सनल जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है।

अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं कियारा

अपने काम को लेकर कियारा ने बताया कि वह नई स्क्रिप्ट की तलाश कर रही हैं और आने वाली एक बायोपिक को लेकर खासा उत्साहित हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि अब उनके किरदार शैली से ज्यादा कहानी की गहराई पर आधारित होते हैं। अब वह स्क्रिप्ट का चयन कहानी को देखकर करती हैं। उसके जॉनर से कोई लेना-देना नहीं है। बेटी के जन्म के बाद काम को कैसे मैनेज करती हैं, इस पर कियारा ने कहा कि सरायाह के जन्म के बाद से मेंटल हेल्थ मेरी सबसे प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। मुझमें अब एक नई स्पष्टता और प्रेरणा है, लेकिन साथ ही खुद के और दूसरों के मेंटल हेल्थ को भी मैं महत्व देती हूं।

'मिर्जापुर द फिल्म' में गुड्डू भैया की वापसी

ओटीटी की दुनिया में 'मिर्जापुर' सीरीज दमदार कहानियों और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है। इसमें अपराध और सत्ता की दुनिया को अलग अंदाज में दिखाया गया। वहीं, किरदारों ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। अब यही फ्रेंचाइजी फिल्म के तौर पर दर्शकों के सामने आने वाली है। इस कड़ी में, एक बार फिर अभिनेता अली फजल अपने चर्चित किरदार गुड्डू भैया को निभाते हुए दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर अली फजल काफी उत्साहित हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपने किरदार और शूटिंग अनुभव को लेकर खुलकर बात की। से बात करते हुए अली फजल ने कहा, ''गुड्डू भैया का किरदार अपने साथ एक गहरी भावनात्मक परत और बोझ लेकर चलता है। इस भूमिका में लौटना हर बार एक अलग अनुभव होता है। गुड्डू भैया की चुप्पी, उसकी एक्सप्रेशन और उसका स्वभाव कई बार शब्दों से ज्यादा असर छोड़ते हैं। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना आसान नहीं होता।'''मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है। अली फजल ने बुधवार को राजस्थान शेड्यूल पूरा किया। उन्होंने कहा, ''जैसलमेर की रेतीली जमीन, खुला आसमान और वहां का माहौल फिल्म की कहानी को एक नया रूप दे रहा है। इस लोकेशन ने कहानी में एक अलग तरह की गहराई और सच्चाई जोड़ी है, जो दर्शकों को बड़े पर्दे पर साफ महसूस होगी।' अली फजल ने कहा, ''जो कुछ अब तक शूट किया गया है, वह पूरी कहानी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है। फिल्म में आगे और भी कई अहम मोड़ और घटनाएं देखने को मिलेंगी। 'मिर्जापुर' की यह फिल्म पहले से भी ज्यादा रोमांच और भावनाओं से भरपूर होगी।''

'पुष्पा 3' छोड़िए

अल्लू के हाथ लगी 1000 करोड़ी फिल्म

अल्लू अर्जुन इस वक्त एटली की बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका बजट भी बहुत बड़ा है. 'पुष्पा 2' के बाद काफी सोच-समझकर उन्होंने ये प्रोजेक्ट चुना था. इस नई फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण काम कर रही हैं. अब इसी बीच अल्लू अर्जुन के हाथ एक और फिल्म लग गई है. जिसमें उन्होंने एक ऐसे डायरेक्टर के साथ हाथ मिलाया है, जिनके साथ लोग उन्हें लंबे वक्त से देखना चाहते थे.

पर यह खबर 'पुष्पा 3' के फैन्स को बड़ा झटका दे सकती है. साल 2024 में बेशक अल्लू अर्जुन की एंट्री एकदम आखिरी महीने में हुई, पर वो साल उनके नाम से ही जाना जाता है. क्योंकि 'पुष्पा 2' के तूफान के आगे अच्छे-अच्छों की हवा टाइट हो गई. उस फिल्म के बाद जहां पुष्पा 3 की डिमांड तेज थी, तो अल्लू अर्जुन ने एटली का हाथ थामा. यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन होगी, जिसका बजट भी 800 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया गया है. वहीं, इसका टेंटेटिव टाइटल है, जिसमें अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका पादुकोण भी दिखेंगी. यहां फिल्म का काम अभी चल ही रहा है, उधर अल्लू अर्जुन को एक और नई फिल्म मिल गई है. हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम फिर साथ आ गए हैं. यह एक माइथोलॉजी एपिक होगी, जिसके साथ दोनों का यह चौथा कोलैबोरेशन होगा. इससे पहले 'अला वैकुंठपुरमुलू', 'जुलाई', 'एसओ? सत्यमूर्ति' और दूसरी हिट फिल्मों में दिखे हैं. हालांकि, सबसे बड़ा अपडेट फिल्म को लेकर यह है कि इसे एक बड़े स्केल पर बनाया जाएगा. जिसका बजट ही 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा होगा. हालांकि, एटली की फिल्म के बाद उम्मीद है कि वो पुष्पा 3 पर काम करेंगे, पर क्या अब वो होना मुश्किल लग रहा है? अल्लू अर्जुन का इस वक्त पूरा फोकस ही एटली की फिल्म पर है. जिसे ग्रैंड लेवल पर बनाया जा रहा है. ऐसी भी खबर है कि इसके दो पार्ट आएंगे और अल्लू अर्जुन का फिल्म में डबल रोल होगा. लेकिन नई रिपोर्ट ने एक्टर के फैन्स को खुश कर दिया होगा. क्योंकि वो त्रिविक्रम के साथ दोबारा काम करने जा रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट एक स्ट्रॉन्ग कहानी पर बेस्ड होगा. जो असल में अल्लू अर्जुन के लिए लिखी गई थी.

स्लीपर बस पलटी, दंपती सहित तीन लोगों की मौत

एजेंसी

जालोर : जिले के अहोर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात नेशनल हाईवे-325 पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। स्लीपर बस के पलटने से दंपती सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के वक्त अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे, जिससे बस पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। यात्रियों ने शीशे तोड़कर किसी तरह बाहर निकलकर जान बचाई।

हादसा रविवार रात अगवरी गांव और गुड़ा बालोतान के बीच हुआ। टीआर जाणी ट्रेवल्स की निजी बस सांचौर से करौली जा रही थी। आरोप है कि बस चालक नशे में था और तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,

चालक ड्राइविंग के दौरान स्टीयरिंग छोड़कर पान मसाला मिला रहा था, तभी बस बेकाबू होकर सड़क किनारे नीम के पेड़ से टकराई और पलट गई।

हादसे में सांचौर के लियादरा गांव निवासी फगलूराम (75) पुत्र हेमाराम बिश्नोई और उनकी पत्नी हाऊ देवी (65) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शव बस के नीचे दब गए थे। वहीं, भरतपुर निवासी अमृतलाल पुत्र खिलाड़ीलाल ने इलाज के दौरान जालोर के जनरल हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। आहोर थानाधिकारी करण सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बस को सीधा करने के लिए तीन क्रेनों और जेसीबी की मदद ली गई। घायलों को निकालकर आहोर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से दो गंभीर घायलों को जालोर रेफर किया गया। यात्रियों ने बताया कि बस करीब 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार में थी।पुलिस चालक की लापरवाही और नशे में वाहन चलाने की आशंका की जांच कर रही है। घायलों में सांचौर निवासी प्रवीण कुमार पुत्र सांवलाराम, मन बिश्नोई पुत्री मालाराम, भावना पुत्र चिमनाराम, पूजा पुत्र रामचंद्र (बांसवाड़ा), हरीश पुत्र हरिगिलास गुर्जर (दौसा), कुलदीप पुत्र लाखन बंजारा, संदीप पुत्र कैलाश महेश्वरी (सांचौर), पवन पुत्र जगदीश प्रसाद (अलवर), हर्षन पुरी पुत्र इंद्र पुरी गोस्वामी (मेडाबागोड़ा) और दिलीप पुत्र बाबूलाल बिश्नोई (सांचौर) शामिल हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बंगाल में एसआईआर के तहत हाशिए के लोगों के लिए 160 विशेष सुनवाई केंद्र खोलेगा निर्वाचन आयोग

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान हाशिए पर रहने वाले समुदायों को मतदान अधिकार से वंचित न होने देने के लिए निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य के चुनिंदा जिलों में 160 विशेष विकेंद्रीकृत सुनवाई केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार ये 160 केंद्र दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, झाड़ग्राम, पुरुलिया, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, नदिया, पश्चिम बर्दवान, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जिलों में खोले जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर दक्षिण 24 परगना के तटीय इलाकों में भी ऐसे कुछ केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इन जिलों के जिला मजिस्ट्रेट, जो जिला निर्वाचन अधिकारी भी हैं, उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे विशेष केंद्र खोलने का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से निर्वाचन आयोग को भेजा था। मांग की वैधता को देखते हुए आयोग ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार एसआईआर की शुरूआत से ही निर्वाचन आयोग इस बात को लेकर संवेदनशील रहा है कि हाशिए के समुदायों के लोगों को प्रक्रियात्मक जटिलताओं के कारण मतदाता सूची से बाहर न किया जाए। इसी वजह से समय-समय पर उनके लिए विशेष छूट दी गई है। 160 सुनवाई केंद्र खोलने का निर्णय इसी दिशा में ताजा कदम माना जा रहा है। ये केंद्र अस्थायी सुनवाई शिविर के रूप में दूरदराज के इलाकों में एक या कुछ दिनों के लिए लगाए जाएंगे। इन शिविरों में निर्वाचन अधिकारी खुद मौके पर पहुंचकर लोगों की सुनवाई करेंगे, ताकि उन्हें मुख्यालय तक आने में परेशानी न हो। इससे पहले आयोग ने यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों और संन्यासियों के लिए भी पहचान संबंधी दस्तावेजों के मामले में विशेष छूट का ऐलान किया था। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन वर्गों के मामलों में पहचान दस्तावेजों की सख्ती आम मतदाताओं की तरह नहीं बरती जाएगी, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान अधिकार से वंचित न रह जाए।

राजस्थान में बर्फीली हवाओं का कहर, कई जिलों में कोल्ड-वेव और घने कोहरे का अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण कड़ाके की सर्दी का दौर तेज हो गया है। रविवार को प्रदेश में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन और सबसे ठंडी रात रही। माउंट आबू में लगातार तीसरे दिन तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस पर रहा। वहीं जयपुर, सीकर, पिलानी (झुंझुनूं) और झुंझुनूं में सीजन की सबसे सर्द रात रही। सोमवार सुबह जयपुर शहर के बाहरी इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। आमेर फोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में धुंध की मोटी चादर रही। राज्य के सात शहरों में रात का न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ, जबकि 18 शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री से कम रहा। कोटा और बारां में रविवार को पूरे दिन सूरज नहीं निकला। यहां दिन का अधिकतम तापमान क्रमशः 13.3 और 13.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। दिन में भी लोगों को रात जैसी गलनभरी

सर्दी महसूस हुई। जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग के जिलों में भी इसी तरह की स्थिति रही। उदयपुर के शहरी इलाकों में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और विजिबिलिटी काफी कम हो गई। यह इस सर्दी के मौसम का पहला मौका है जब शहर के भीतर इतनी घनी धुंध देखने को मिली। इससे पहले उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे पर कई दिनों से कोहरे का असर बना हुआ था। सीकर जिले में सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी करीब 50 मीटर तक सिमट गई। न्यूनतम तापमान करीब छह डिग्री सेल्सियस मापा गया। फतेहपुर (सीकर) में तापमान जमाव बिंदु तक पहुंच गया, जिससे खेतों में ओस की बूंदें जम गईं। डीडवाना-कुचामन, परबतसर और आसपास के इलाकों में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा छाया रहा। सुबह सात बजे के बाद कोहरा और घना हो गया, जिससे सड़कों पर वाहनों की हेडलाइट जलानी पड़ी। रविवार को कोटा, सीकर, जयपुर, टोंक, भीलवाड़ा, अजमेर, बारां और पाली में कोल्ड-डे मापा गया। जयपुर और सीकर में अधिकतम तापमान 18.5, पिलानी में 18.3, वनस्थली (टोंक) में 17.6 और पाली के जवाई बांध क्षेत्र में 15.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

ज्यादा एंटीबायटिक दवाओं के सेवन से अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान : सतीश राय

प्रधानमंत्री ने भी एंटीबायोटिक दवाओं के ज्यादा सेवन पर की है चिंता

एजेंसी

प्रयागराज : प्रधानमंत्री मोदीजी ने 28 दिसम्बर को जनमानस के स्वास्थ्य पर मन की बात कार्यक्रम में एंटीबायोटिक दवाओं के ज्यादा इस्तेमाल पर चिंता जाहिर की थी। इस दवा के ज्यादा इस्तेमाल से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। कड़ाके की ठंड और शीत लहर के चपेट में आने से कमजोर इम्यूनिटी के लोगों में सर्दी खांसी बुखार का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में अपने जीवन शैली में प्राकृतिक उपायों को अपना कर शरीर को कड़ाके की ठंड से जूझने के लिए तैयार करें।

यह बातें एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान की ओर से प्रयागराज रेकी सेंटर पर सोमवार को सुबह जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने कार्यक्रम में आए लोगों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एलोपैथिक, आयुर्वेद और होम्योपैथिक चिकित्सा के जमाने में

स्पर्श चिकित्सा से कम लोग ही परिचित होंगे। जब कि पुराने और धार्मिक ग्रंथों में स्पर्श चिकित्सा का स्पष्ट वर्णन मिलता है। इसे अपनाकर बिना धन व्यय किए और खान-पान में सुधार कर रोगों से मुक्ति पाई जा सकती है।

खाने में लापरवाही से बढ़ रही बीमारियां

सतीश राय ने कहा कि खाने में लापरवाही के कारण लोगों में बीमारियां बढ़ रही हैं। 90 के दशक में प्रति व्यक्ति तेल की खपत 20 ग्राम थी, वर्ष में 7 किलो तेल ही खाते थे। जबकि वर्ष 2024 तक फास्ट फूड, समोसा, जलेबी, पाव-भाजी, बर्गर, चाऊमीन, पिज्जा खाने से प्रति व्यक्ति 55 ग्राम तेल व वर्ष में 20 किलो तेल-घी की खपत बढ़ने से लोगों में मोटापे एवं अन्य बीमारियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लोगों में मोटापा वर्ष 1990 में 3 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024 तक 35 करोड़ हो गया है। सतीश राय ने कहा कि लोग मोटापे से परेशान एवं बीमारियों से ठीक होने के लिए लोग दवा खाते हैं। जबकि मेडिसिन एवं ड्रग किसी भी बीमारी को ठीक नहीं करता, वह सिर्फ कंट्रोल करता है और ज्यादा एंटीबायोटिक दवा खाने से शरीर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया धीरे-धीरे मजबूत होने लगते हैं। कहते हैं। तब यह दवा का असर शरीर में काम करना बंद कर देती है।

अंत में स्पर्श चिकित्सक ने कहा कि ज्यादा एंटीबायोटिक

दवाओं के सेवन से पेट, आंतों, लीवर से जुड़े अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचता है जो त्वचा पर रेशे खुजली के रूप में प्रकट होती है। हल्ड का दावा है कि प्रतिवर्ष करीब एक करोड़ लोगों की मौत एंटीबायोटिक दवाओं के असर नहीं होने से होती है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली चीन पहुंचे, जिनपिंग से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

बीजिंग (चीन) : दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर वार्ता करने वाले हैं। उम्मीद है कि दोनों नेता उत्तर कोरिया के अलावा आर्थिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। यह बातचीत नवंबर की शुरूआत में ग्योंगजू में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन के मौके पर दोनों नेताओं की मुलाकात के लगभग दो महीने बाद हो रही है। द कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ली रविवार को चीन की चार दिवसीय

राजकीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे। इससे कुछ घंटे पहले उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ली की पिछले साल जून में पद संभालने के बाद चीन की पहली यात्रा है और 2019 के बाद किसी दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की चीन की यह पहली यात्रा है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली इस दौरान प्योंगयांग के साथ तनावपूर्ण संबंधों को बेहतर बनाने और कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निशस्त्रीकरण में प्रगति करने के लिए चीन से समर्थन मांगेंगे। शिखर सम्मेलन से पहले ली बीजिंग में कोरिया-चीन आर्थिक फोरम में शामिल होंगे। इस फोरम में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चेयरमैन ली जे-योंग, एसके ग्रुप के चेयरमैन चेई ताए-वोन और एलजी ग्रुप के चेयरमैन कू क्वांग-मो प्रमुख रूप से हिस्सा लेंगे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वी सुंग-लैक ने कहा कि उम्मीद है कि दोनों पक्ष अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 से ज्यादा समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे। वी ने कहा सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी एक और अहम मुद्दा होगा। इस दौरान संवेदनशील मुद्दे भी उठाए जाने की संभावना है। शुक्रवार को चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में ली ने फिर से कहा कि वन चाइना पॉलिसी का सम्मान करने पर दक्षिण कोरिया का रुख अपरिवर्तित है।

कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन में तकनीकी खराबी से सेवा बाधित

एजेंसी

कोलकाता : नए साल की शुरूआत में ही कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन एक बार फिर तकनीकी समस्याओं से जूझती नजर आई। सप्ताह के पहले व्यस्त कार्यदिवस की शुरूआत होते ही मेट्रो सेवा में बाधा उत्पन्न हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, एक खाली रेक में आई तकनीकी खराबी के कारण टॉलीगंज से शहीद खुदीराम के बीच मेट्रो परिचालन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा।

मेट्रो सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई से कुछ ही देर में समस्या को दूर कर लिया गया और मेट्रो सेवा को फिर से सामान्य कर दिया गया। हालांकि, सोमवार सुबह दफ्तर के लिए मेट्रो पकड़ने पहुंचे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अचानक सेवा बाधित होने से प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई और कई लोग तय समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। बार-बार सामने आ रही तकनीकी दिक्कतों को लेकर यात्रियों में नाराजगी भी देखी गई।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बनी तनाव की स्थिति की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान संभल कर काम होता रहा। निवेशकों की सतर्कता की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 300 अंक उछलने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी

500 इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,858.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,222.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 48,397.54 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,951.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,195.21 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 24,539.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज आम तौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,440 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 26,322 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 1,291.52 अंक यानी 2.57 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 51,631 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 110.50 अंक यानी 2.56 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 4,420.13 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 931.51 अंक यानी 3.17 प्रतिशत उछल कर 30,281.32 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 2.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,285.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,011.45 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,809.17 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.59 प्रतिशत उछल कर 4,683.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

मुख्यमंत्री सरमा ने मुरली मनोहर जोशी को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि डॉ. जोशी ने राष्ट्र के लिए दीर्घकालिक और अमूल्य योगदान दिया है तथा उन्होंने सदैव राष्ट्रीय हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मां भारती की सेवा की है। डॉ सरमा ने मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से डॉ. मुरली मनोहर जोशी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करते हुए उनके स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

मोरियानी रेलवे स्टेशन पर भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

जोरहाट (असम) : असम के मोरियानी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य की ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया गिरफ्तार तस्कर की पहचान बिहार निवासी राजू कुमार राम के रूप में हुई है। यह ड्रग्स विवेक एक्सप्रेस डाउन से बरामद की गई, जिसे नियमित जांच के दौरान जब्त किया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ड्रग्स को होजाई से तिनसुकिया की ओर ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में मोरियानी रेलवे स्टेशन पर इसे पकड़ लिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि इस खेप को ऊपरी असम में सप्लाई किया जाना था। सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग दोनों तरफ से यातायात के लिए बहाल

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बहाल है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर छोटे और बड़े वाहनों को आज राजमार्ग के दोनों तरफ से जाने की अनुमति दी गई है। जानकारी के अनुसार आज छोटे और बड़े दोनों प्रकार के वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। अधिकारियों ने जाम की स्थिति से बचने के लिए वाहन चालकों को अपनी लाइन में चलने की हिदायत भी दी है। इसी बीच एसएसजी रोड बर्फबारी के चलते वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं। मार्ग को बहाल करने के प्रयास जारी हैं जबकि मुगल रोड छोटे वाहनों के लिए खुला है।

बांसबेड़िया स्टेशन के पास पैंटोग्राफ टूटने से हावड़ा-काटवा शाखा में ट्रेन सेवा बाधित

हुगली : हावड़ाझकाटवा रेल शाखा के बांसबेड़िया स्टेशन के पास रविवार शाम एक ट्रेन का पैंटोग्राफ टूटकर गिरने से रेल परिचालन ठप हो गया और चुचुड़ा समेत कई स्टेशनों पर ट्रेनों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ा। यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेल सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम बांसबेड़िया स्टेशन के नजदीक ओवरहेड तार से जुड़ा पैंटोग्राफ टूट गया, जिसके कारण ट्रेन की रफ्तार थम गई। घटना की सूचना पाकर रेलवे के इंजीनियर और तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में शुरू किया। तकनीकी खराबी के चलते अप बैंडेल और अप काटवा लाइन पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह बंद हो गया। चुचुड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर एक अप काटवा लोकल करीब एक घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही। वहीं, डाउन लाइन और रिवर्स लाइन के जरिए बैंडेल और बर्दवान मेन लाइन की ट्रेनों को चलाया जा रहा है। हालांकि काटवा लोकल के फंसे रहने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। बैंडेल स्टेशन में प्रवेश से पहले हावड़ाझबर्दवान मेन लोकल भी रुक गई। एक यात्री ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे से ट्रेन खड़ी है। मैं हावड़ा से काटवा जाने के लिए ट्रेन में सवार हुआ था कि अचानक ट्रेन रुक गई। बाद में पता चला कि ओवरहेड तार में कुछ खराबी आ गई है। अब समझ नहीं आ रहा कि गंतव्य तक कैसे पहुंचूंगा।

अन्य यात्रियों ने भी इसी तरह की परेशानी जाहिर की। इस संबंध में पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी बेद प्रकाश ने कहा कि ओवरहेड तार में समस्या आई है। मरम्मत के लिए रेलवे कर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं। बांसबेड़िया स्टेशन के आगे यह तकनीकी खराबी हुई है। जल्द ही ट्रेन परिचालन सामान्य हो जाएगा।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पूर्व प्रधान समेत दो की मौत

आजमगढ़ : उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बिंद्राबाजार कस्बे में बीती रात तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पूर्व ग्राम प्रधान समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रेलर सहित चालक को हिरासत में ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब नौ बजे दो युवक आजमगढ़ की ओर से अपाचे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। वे गंभीरपुर कस्बे में पहुचे थे कि इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पूर्व प्रधान संतोष यादव 38 वर्ष पुत्र मुन्ना यादव निवासी ग्राम सिंघड़ा थाना गंभीरपुर और 32 वर्षीय संदीप यादव पुत्र अमिताभ यादव निवासी ग्राम भगवानपुर थाना बरदह के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीछा कर ट्रेलर समेत चालक को को पकड़ लिया तथा थाने ले आई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ ही दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ सदर आस्था जायसवाल ने बताया कि बीती रात एक ट्रेलर ने बाइक सवार दो व्यक्तियों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों व्यक्तियों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रेलर चालक और खलासी को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में कटरा कोतवाली क्षेत्र के संगमोहाल ओवरब्रिज के पास रविवार रात रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया है, लेकिन दूसरे दिन भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप संगमोहाल ओवरब्रिज के नीचे ट्रैक के किनारे लगभग 40 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। ट्रैक के पास से गुजर रहे लोगों ने शव देखकर तुरंत जीआरपी को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की, लेकिन मृतक की जेब से कोई पहचान पत्र या कागजात बरामद नहीं हुए। जीआरपी प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से प्रतीत हो रही है।

आद्रा मंडल में ब्लॉक के कारण आज से 11 जनवरी तक 8 ट्रेनें रद्द

12 शॉर्ट टर्मिनेट और चार विलंब से जायेगी

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व रेलवे ने आद्रा रेल मंडल में रेल पटरियों के रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य को लेकर सोमवार (पांच जनवरी) से 11 जनवरी तक रोलिंग ब्लॉक लेने का फैसला किया है। इस दौरान ट्रैक की मरम्मत का कार्य किया जायेगा। आद्रा रेल मंडल में रेल पटरियों के रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे ने यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है। रेलवे के इस फैसले का सीधा असर टाटानगर के अलावा झारखंड, बिहार, ओडिशा व पश्चिम बंगाल के हजारों रेल यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इस अवधि में आठ ट्रेनों को पूर्ण रूप से रद्द कर दिया गया है, जबकि 12 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेशन एवं शॉर्ट ऑरिजिनेशन के तहत चलाया जायेगा, जबकि चार ट्रेनें निर्धारित समय से विलंब से प्रस्थान करेंगी। इसके अलावा कुछ ट्रेनों को नियंत्रित (रेगुलेट) कर चलाने और एक ट्रेन को परिवर्तित मार्ग से संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

इन ट्रेनों का परिचालन रहेगा रद्द

छह जनवरी : आसनसोल-आद्रा-आसनसोल मेमू (68046-68045)आठ व 11 जनवरी : आद्रा-बराभूम-आद्रा मेमू पैसेंजर (68053-68054)

छह व 10 जनवरी : आद्रा-भागा-आद्रा मेमू (68077-68078)

पांच, आठ और 11 जनवरी : आद्रा-आसनसोल-आद्रा मेमू (68061-68062)

परिवर्तित मार्ग व नियंत्रित परिचालन

-छह जनवरी को टाटानगर से रवाना होने वाली 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चांडिल, पुरुलिया, कोटशिला और मुरी होते हुए हटिया तक जायेगी।

-पांच से 11 जनवरी तक 12802 आनंद विहार-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को चंद्रपुरा-राजाबेरा रेलखंड में 30 मिनट तक नियंत्रित कर चलाया जायेगा।

-छह, सात और 10 जनवरी को कटिहार से चलने वाली 28182 कटिहार-टाटानगर एक्सप्रेस को बर्नपुर स्टेशन पर 30 मिनट तक नियंत्रित रखा जायेगा।

-नौ जनवरी को थावे से चलने वाली 18182 थावे-टाटानगर एक्सप्रेस को बर्नपुर स्टेशन पर 30 मिनट तक नियंत्रित रखा जायेगा।

शॉर्ट टर्मिनेशन-शॉर्ट ओरिजिनेशन वाली ट्रेनें

- झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम एक्सप्रेस (18019-18020) पांच, नौ व 11 जनवरी को बोकारो स्टील सिटी तकबर्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस (13503-13504) : पांच से 11 जनवरी तक गोमो तक

-टाटानगर-आसनसोल मेमू (68056-68060) छह जनवरी को आद्रा तक

आसनसोल-पुरुलिया मेमू (63594-63593) पांच, आठ व 11 जनवरी को आद्रा तक

आसनसोल-टाटानगर मेमू (68055/68056) सात जनवरी को आद्रा तक

- आद्रा-मेदिनीपुर मेमू (68090-68089) छह जनवरी को चंद्रकोणा रोड तक
- हावड़ा-जनशताब्दी (12021) चार जनवरी को टाटा से बड़बिल के बीच नहीं चलेगी
- बड़बिल-हावड़ा (12022) चार जनवरी को बड़बिल से टाटा के बीच रद्द रहेगी।
- रिशिड्यूल होकर चलने वाली ट्रेनें
- आठ व 11 जनवरी : बक्सर-टाटानगर एक्सप्रेस (18184) 60 मिनट विलंब से
- आठ व 11 जनवरी : खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस (18036) 150 मिनट विलंब से
- सात जनवरी : हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस (18035) 120 मिनट विलंब से
- छह व 10 जनवरी : 68088 धनबाद-बांकुड़ा मेमू- 60 मिनट विलंब से

झारखंड में ठंड का कहर:आज और कल बंद रहेंगे पूर्वी सिंहभूम के सभी स्कूल

पूर्वी सिंहभूम: झारखंड में ठंड का कहर जारी है। भीषण ठंड ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। ठंड के चलते पूर्वी सिंहभूम में 2 दिनों की पढ़ाई स्थगित कर दी है। पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं तक की कक्षाओं में पठन-पाठन का कार्य 5 जनवरी 2026 से 6 जनवरी 2026 तक स्थगित कर दिया गया है।

केजी से 12वीं तक कक्षाओं में पठन-पाठन का कार्य पूरी तरह बंद

जारी आदेश के अनुसार दिनांक 5 जनवरी से 6 जनवरी 2026 तक सभी विद्यालयों में केजी से 12वीं तक कक्षाओं में पठन-पाठन का कार्य पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि, यदि इस अवधि में किसी विद्यालय में पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित हैं, तो विद्यालय प्रबंधन अपने विवेकानुसार परीक्षा का संचालन कर सकते हैं। साथ ही 10वीं और 12वीं कक्षाओं के संचालन को लेकर भी विद्यालयों को आवश्यक निर्णय लेने की छूट दी गई है। 6 जनवरी 2026 को सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के लिए विद्यालय खुले रहेंगे, जिसमें शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मी विद्यालय में उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति ईवीवी पर दर्ज करेंगे और विद्यालय के गैर शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन करेंगे।

लोहरदगा में टला बड़ा रेल हादसा टला

क्षतिग्रस्त पुल से गुजरीं कई ट्रेनें, समय रहते रोकी गई रांची- लोहरदगा मेमो ट्रेन

कोयल नदी पर बने ब्रिज के पीलर में आयी दरार, रोका गया ट्रनों का परिचालन

संवाददाता

लोहरदगा: जिले में बीते रविवार एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। कोयल नदी पर बने क्षतिग्रस्त रेलवे पुल से राजधानी एक्सप्रेस, सासाराम एक्सप्रेस और लोहरदगा-रांची मेमू पैसेंजर सुरक्षित गुजर गईं। गनीमत रही कि इस दौरान कोई दुर्घटना नहीं हुई। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने बाद में तत्काल पुल से ट्रेन परिचालन पर रोक लगा दी।

क्षतिग्रस्त पुल से गुजरीं कई ट्रेनें: रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, लोहरदगा-रांची-टोरी रेलखंड पर कोयल नदी स्थित रेलवे पुल संख्या 115 के पिलर संख्या 5 में पहले से दरार थी, जिसकी मरम्मत चल रही थी। इसके बावजूद ट्रेनों का संचालन जारी रखा गया। इसी बीच पिलर संख्या 4 में भी दरार आ गई। जब इंजीनियरिंग टीम ने पुल का निरीक्षण किया, तो दरारें गंभीर पाई गईं, जिसके बाद सुबह 10:10 बजे पुल से होकर गुजरने वाली सभी ट्रेनों को रोकने का आदेश जारी किया गया। सबसे बड़ी चूक यह रही कि रविवार को राजधानी एक्सप्रेस, सासाराम एक्सप्रेस और मेमू पैसेंजर जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें क्षतिग्रस्त पुल से होकर गुजर चुकी थीं। राजधानी एक्सप्रेस सुबह 8:18 बजे लोहरदगा स्टेशन पहुंची और 8:22 बजे रांची के लिए रवाना हुई। इसके बाद सासाराम एक्सप्रेस 9:21 बजे उसी पुल से गुजरी। इसके तुरंत बाद जांच में पुल के पिलरों की हालत गंभीर पाई गई। अचानक ट्रेन परिचालन रोके जाने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

रांची-सासाराम एक्सप्रेस 5 से 7 जनवरी तक रद्द रहेगी: कई यात्री ट्रैक पार कर पैदल ही अपने-अपने घरों की ओर रवाना होते नजर आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने लोहरदगा स्टेशन से सभी ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इसके तहत राजधानी एक्सप्रेस को लोहरदगा के बजाय मेसरा-बरकाकाना-टोरी रूट से चलाया जाएगा। रांची-सासाराम एक्सप्रेस 5 से 7 जनवरी तक रद्द रहेगी। सासाराम-रांची एक्सप्रेस 6 से 8 जनवरी तक कैंसिल रहेगी। लोहरदगा-रांची मेमू पैसेंजर को नगजुआ स्टेशन तक सीमित कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पुल के पिलर संख्या 4 और 5 में दरारें मिलने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिचालन रोका गया है। मरम्मत कार्य पूरा होने और पुल की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा। लोहरदगा की 'लाइफलाइन ट्रेन' कही जाने वाली मेमू पैसेंजर सहित राजधानी और सासाराम एक्सप्रेस का बंद होना क्षेत्र के यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बाबा बासुकीनाथ में की पूजा-अर्चना

बासुकीनाथ: सोमवार को भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम पहुँचे, जहाँ उन्होंने सपरिवार विधि-विधानपूर्वक बाबा बासुकीनाथ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं बाबा पर जलाभिषेक किया। पूजा-अर्चना के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार का स्वागत करते हुए उन्हें भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा अर्चना

देवघर: रविवार को भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सपरिवार देवघर में बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया, जिसके पश्चात मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने देवघर बैद्यनाथ मंदिर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना भी की। बाबा बैद्यनाथ के पूजा अर्चना के उपरान्त देवघर के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह व बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद प्रदान किया।

जिले में चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान कुल 1179 वाहनों की हुई जांच

धनबाद: एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर रविवार को जिलेभर में व्यापक एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। शाम से लेकर देर रात तक लगातार अभियान चलाया गया इस दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया और जिले के शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सघन जांच की गई।

अभियान के तहत कुल 1179 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 809 दोपहिया तथा 370 चारपहिया वाहन शामिल रहे। पुलिस टीमों ने जिले के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, रिहायशी इलाकों एवं संवेदनशील स्थानों पर मोर्चा संभालते हुए वाहनों की गहन जांच की। वाहन जांच के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, बीमा व प्रदूषण प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। साथ ही दोपहिया चालकों के हेलमेट पहनने और चारपहिया चालकों के सीट बेल्ट लगाने के नियमों का भी कड़ाई से पालन कराया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों को मौके पर ही चेतावनी दी गई तथा आवश्यकतानुसार कार्रवाई भी की गयी।

जमीन विवाद में दिनदहाड़े ई-रिक्शा चालक की हत्या,आक्रोशित लोगों ने शव के साथ किया सड़क जाम

संवाददाता

3,बॉटम

दुमका: जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित चौंक पर एक ई रिक्शा चालक की हत्या के विरोध में शव को एनएच 114 अ पर रखकर जाम कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी हत्या में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस जाम से यात्री और माल वाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शिमला ढाका गांव में दो पक्षों के बीच में जमीन विवाद चल रहा था। इसे सुलझाने के लिए एक पक्ष कल रविवार को सफारुद्दीन मियां के ई रिक्शा से थाना जा रहे थे। इस दौरान दूसरे पक्ष के द्वारा ई-रिक्शा को रोक लिया गया और चालक सफारुद्दीन से उलझ पड़े कि तुम इन लोगों को अपने रिक्शा में क्यों बैठाया, तुम इसकी तरफदारी करते हो। विवाद बढ़ने लगा तो दूसरे पक्ष के लोगों ने ई रिक्शा चालक सफारुद्दीन को लात घुसे और लाठी से पिटाई कर दी। घायल अवस्था में उसे शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि बाद में बेहतर इलाज के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। वहां से भी चिकित्सकों ने वर्धमान रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई।

शव के साथ किया सड़क जाम: आज जैसे ही शव उसके घर पहुंचा तो परिजन और अन्य ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने डेडबॉडी को सीधे उठाकर शिकारीपाड़ा थाना से कुछ ही दूर पर स्थित बीच चौक पर रखकर एनएच114 अ दुमका रामपुरहाट मार्ग को जाम कर दिया है। मृतक के रिशतेदार मोइन अंसारी का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और मृतक के परिवार वालों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि मृतक की छह पुत्री है। इनका लालन-पालन अब कैसे होगा। मोइन ने इस घटना के लिए करीम मियां, कोबाद मियां, जलील अंसारी अब्दुल मियां, रमजान अंसारी और बशीर मियां को जिम्मेदार ठहराया है।

मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी: मृतक के परिजनों द्वारा सड़क जाम किए जाने की वजह से दुमका-रामपुरहाट मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसमें यात्री वाहन के साथ-साथ मालवाहक वाहन भी फंस गए। खास तौर पर तारापीठ जाने वाले श्रद्धालुओं के कई वाहन जाम में है। इधर, मौके पर शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा पहुंचे और परिजनों को समझाने बुझाने का काम किया। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद कल रात में ही छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जिसमें से दो लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बाकी अन्य लोगों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। साथ ही प्रशासनिक पदाधिकारी के आने के बाद इन्हें उचित मुआवजा भी दिलाया जाएगा।

कुंआ से मिला तीन दिन से लापता बच्चे का शव ,परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पलामू: जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के पड़वा में 1 जनवरी से लापता एक दो वर्ष के बच्चे का शव कुआं से बरामद किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गयी है।

जिस कुआं से बच्चे का शव बरामद हुआ है। वह बच्चे के घर के पिछले हिस्से में कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। कुआं चारों तरफ से झाड़ियां से गिरा हुआ है। कुआं तक आसानी से नहीं पहुंचा जा सकता है। पूरे मामले में परिजनों ने बच्चों की हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले में छानबीन शुरू कर दी है। पड़वा के रहने वाले प्रदीप कुमार मेहता का इकलौता पुत्र अंकुश राज एक जनवरी से लापता था। वह अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था और अचानक लापता हो गया था। परिजनों पूरे मामले में स्थानीय थाना को भी लापता होने की जानकारी दी। पुलिस अपने स्तर से भी खोजबीन कर रही थी।

रविवार को एक महिला कुआं के पास में गई और देखा कि एक बच्चे का शव पानी में है। महिला द्वारा शोर मचाए जाने के बाद अन्य ग्रामीण जमा हुए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से बच्चे के शव को बाहर निकला जिसकी पहचान अंकुश राज के रूप में हुई। परिजनों ने पूरे मामले में हत्या की आशंका जाहिर की है।

इस मामले को लेकर पड़वा के थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि कुआं से एक बच्चे का शव मिला है, जिसकी पहचान तीन से लापता बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस ने कुएं के पानी का सैंपल भी लिया है।